31 बातें जो प्रत्येक विश्वासी कर सकता है

बाइबिल आधारित मसीहत में परमेश्वर के लोगों को प्रशिक्षित करना

चेस्टर एच. पौल

31 बातें जो प्रत्येक विश्वासी कर सकता है

बाइबिल आधारित मसीहत में
परमेश्वर के लोगों को
प्रशिक्षित करना

चेस्टर एच. पौल

Copyright© by Chester H. Paul DAWNING AGE

सभी अधिकार सुरक्षित है। किसी महत्वपूर्ण लेख या समीक्षा में से एक संक्षिप्त उद्धरण के अलावा इस पुस्तक का कोई भी भाग बिना अग्रिम अनुमति के न तो उपयोग मे लाया जा सकता है न ही पुनःप्रकाशित किया जा सकता है।

Great Exploits India
Bishop Valerian Albuquerque
Address: Govind CHS A/31,
Joshiwadi, G Gupta Road,
Dombivli West - 421 202
Thane, Maharashtra, INDIA
Phone: +91 9167007317
Email: a.valerian@yahoo.com

समर्पण

मैं अपनी यह पहली पुस्तक मेरी आत्मिक माताः स्वर्गीय बहन शीला अली को समर्पित करना चाहता हूँ। उन्होंने ही मेरी पहचान प्रभु से करवाई और उन्होंने ही मुझे परमेश्वर के साथ चलना सिखाया। वह सचमुच एक महान प्रेरित थी। गत दिनों ८० के दशक के मध्य में, उन्होंने "रेस्क्यू मिशन" की शुरुआत की जो मादक पदार्थ सेवन से पीड़ित मरीजों के इलाज का केन्द्र था।

वह एक सच्ची दार्शनिक थी; अखंडता, जोश तथा सामर्थ से भरपूर एक महिला। उन्होंने प्रभु में जो काम किया वह व्यर्थ नहीं गया।

BLANK PAGE

विषयवस्तु

भाग पहला

प्रभु के दर्शन का आज्ञापालन कीजिए 1

परमेश्वर को अधिक जानने की भूख रखो 2

प्रार्थना में बने रहो 3

पहचानना सीखो 4

प्रभु में उपवास रखो 5

ईश्वरीय चंगाई कार्यान्वित करो 6

परमेश्वर के अधीन हो जाओ और शैतान का सामना करो 7

अत्याचार सहो 8

परमेश्वर के वचन का आदर करो तथा उसका पालन करो 9

बंधन मुक्त हो जाओ 10

विश्वास के द्वारा जीवित रहो 11

आनन्दित रहो 12

पवित्र आत्मा प्राप्त करो 13

भविष्यद्वाणी करने में सक्षम बनो 14

अपने मित्र बुद्धिमानी से चुनो 15

आग का बपतिस्मा लो 16

क्षमा करो और क्षमा प्राप्त करो 17

अपना समय और अवसर बुद्धिमानी से खर्च करो 18
सही सहभागिता चुनो 19
यीशु मसीह के लहू के अधीन रहो 20
आशीष पाओ तथा आशीष का कारण बनो 21
यीशु मसीह के गवाह बनो 22
जब आप पाप में गिरते हो, तो फिर उठ खड़े हो 23
निश्चित करें कि आपका नाम, जीवन की पुस्तक में है 24
दुष्टात्माओं को निकाल भगाओ 25
परमेश्वर के सच्चे अनुग्रह में स्थापित हो 26
झूठे अगुवों से बच कर रहो 27
परमेश्वर को खुद ही जानो 28
पवित्र जीवन जीओ, क्योंकि प्रभु पवित्र है 29
आत्मा और सच्चाई से प्रभु की आराधना करो 30
प्रभु से, स्वयं से तथा दूसरों से प्रेम करें 31

आभार

मैं आभार व्यक्त करना चाहूंगा मेरी प्रिय पत्नी, दिओमेती पॉल का, जो मेरी सबसे अच्छी दोस्त भी है। तुम मेरे लिए क्या हो इसे शब्दों में अभिव्यक्त नहीं किया जा सकता। बीते अनके वर्षों तुमने मेरे लिए जो बलिदान दिए जिससे कि मैं प्रभु के इस कार्य को पूरा कर सकूं। जब कोई भी मुझ पर भरोसा नहीं करता था, तब तुम ने मुझ पर भरोसा किया और मेरे साथ खड़ी रही। इसके लिए धन्यवाद; मैं तुम्हारा हमेशा के लिए आभारी रहूंगा।

मेरा एकलौते पुत्र, क्रिस्टीयन स्याम्यूएल पॉलः तुम मेरे लिए दस पुत्रों के बराबर हो। तुम इस पृथ्वी पर एक महान व्यक्ति बनो, तथा अपने ईश्वरीय नियति तथा उद्देश्य को बिना किसी अभाव अथवा कमी के पूरा कर पाओ। इस पुस्तक को प्रकाशित करने के लिए तुम ने जो कष्ट उठाए, जो समर्पण दिखाया एवं जो बलिदान दिए, उसके लिए मैं तुम्हें धन्यवाद देता हूँ, विशेषकर इस सारी प्रक्रिया के दौरान तुम ने जो बड़ा दिल दिखाया उसके लिए धन्यवाद। धन्यवाद; क्योंकि तुम एक अद्भुत व्यक्ति हो।

प्रस्तावना

जब यीशु ने कलवरी के उस क्रूस पर अपना बहुमूल्य रक्त बहाया और अपने प्राण दिए, उस समय उन्होंने मरे और आपके लिए एक उत्तराधिकार मोल लिया। एक ऐसा उत्तराधिकार जो आर्थिक तथा भौतिक आशीषों से कई अधिक है ।

इस उत्तराधिकार की सबसे अच्छी बात यह है कि हमें स्वयं की परमेश्वर को जानने का सौभाग्य दिया गया है - प्रभु को अनुभव करने का तथा उनके साथ एक गहरा, व्यक्तिगत संबंध स्थापित करने का । (यूहन्ना 17:3)

इस उत्तराधिकार को उनके पुत्र के स्वरुप के सदृश्य बनाने की जरूरत है; कि हम भीतरी रुप से रुपांतरित हो (रोमियो 8:29) तथा पवित्र आत्मा की सामर्थ को पहन ले जिससे कि हम यीशु ने जिस कार्य की शुरुआत की थी, उसको आगे जारी रख सकें ।

मैं आपके बारे में नहीं जानता, परन्तु मुझे एक मृत धर्म तथा मृत परम्पराओं में दिलचस्पी नहीं है । मुझे उस मृत आराधना में दिलचस्पी नहीं है जिसमें परमेश्वर की उपस्थिति न हो; मैं चाहता हूँ कि लोगों में बदलाव आए। मैं देखना चाहता हूँ कि सर्वशक्तिमान परमेश्वर की सामर्थ से पियक्कड, मादक पदार्थ सेवन करने वाले, समलैंगिक, व्यभिचारी, यहां तक कि जादू टोना करने वाले छुटकारा पाएं तथा रुपांतरित हो।

याद रखे कि यीशु मरे नहीं है; वे मरे जरूर, लेकिन तीसरे दिन मरे हुओं में से फिर जी उठे। यीशु जीवित है! और वे अब भी पश्चाताप, दुष्टात्माओं से छुटकारा, तथा आज भी चमत्कार करने का प्रचार कर रहे हैं। (1 कुरिंथ. 1:15)

जिन लोगों को उन्होंने बचाया है, पवित्र किया है, और पवित्र आत्मा से भरा है, उन पुरुष तथा महिलाओं के माध्यम से वे यह कार्य कर रहे हैं; सिद्ध लोगों के माध्यम से नहीं, क्योंकि यहां कोई भी सिद्ध व्यक्ति नहीं है, परन्तु उन लोगों के माध्यम से जो परमेश्वर द्वारा उनयोग किए जाने के लिए तैयार है।

प्रभु यीशु ने कहा कि जिस प्रकार उन्होंने चमत्कारिक काम किए हैं, उसी प्रकार उनके अनुयायी भी कर पाएंगे, बल्कि उससे महान कार्य भी कर पाएंगे। (यूहन्ना 14:12)

परन्तु दुर्भाग्य की बात है कि मैं जिन बातों को इस पुस्तक में लिख रहा हूं, उनमें से कई बातें अनेक कलीसियाएं इन बातों का न तो प्रचार करते हैं और न ही व्यवहार में लाते हैं; उन मूलभूत बातों को जो आरंभिक कलीसिया का आधार बनी थी - जैसे कि दुष्टात्माओं से छुटकारा दिलाना, अन्य भाषा बोलना, चंगाई की सेवा करना, भविष्यद्वाणी करना और पवित्र जीवन व्यतीत करना।

ऐसा क्यों है? ऐसा है कि कभी-कभी अगुवों तथा विश्वासियों को अधिक जानकारी नहीं होती, इसलिये उन्हें अपुल्लोस की तरह सिखाने और समझाने की जरूरत है। (प्रेरित. 18:24–28) परन्तु इतिहास हमें यह भी सिखाता है कि जिन्हें अधिक ज्ञान नहीं है ऐसे लोग भी कलीसिया में प्रवेश कर गए और अच्छे-अच्छे ओहदों पर बैठ गए; इन दैहिक अगुवों के पास परमेश्वर की सामर्थ नहीं थी, न ही वे पवित्र शास्त्र को अच्छी रीति से जानते थे, अतः वे अपनी ही दुष्टता और कमजोरियों को वैध ठहराने के लिए परमेश्वर के वचन को तोड़-मरोड़ कर पेश करते थे। (प्रेरित. 20:27–31)

वे उन्हीं बातों का प्रचार करते थे जो अधिकतर लोगों को सुनना अच्छा लगता था ताकि वे लोगों में लोकप्रिय हो जाए और उनसे धन प्राप्त कर सके। आज कलीसिया में यही हो रहा है।

परन्तु यहां समस्या केवल भ्रष्ट लोगों द्वारा अगुवाई किए जाने की नहीं है, बल्कि उन भोले-भाले विश्वासियों से भी है जो आँखे बन्द करके इन भेड़ों की खाल में छिपे भेड़ियों पर विश्वास कर लेते हैं। यह एक कड़वी सच्चाई है कि यहां एक अंधा, दूसरे अंधे को मार्ग दिखा रहा है, और दोनों ही गड्ढे में जरूर जा गिरेंगे।

पतरस, स्तिफनुस, पौलुस तथा उन जैसे अन्य प्रचारक अब कहां है, जिनके संदेश सुनने वालों के हृदयों को छेद दिया करते थे और दुनिया में उथल-पुथल मचा देते थे? (प्रेरित. 2:37–41, 5:29–33, 7:51–60, 17:6)

वैसे विश्वासी भी अब कहां है जो बिरीया के विश्वासियों जैसे हो जो प्रतिदिन पवित्र शास्त्र में उन बातों की खोज करते थे कि जो कुछ उन्हें पढ़ाया जा रहा है, वह सही है या नहीं। (प्रेरित. 17:10–12)

आप यह पुस्तक किसी संयोग के कारण नहीं पढ़ रहे; यह एक ईश्वरीय योजना है। इस समय परमेश्वर का आत्मा आपसे बातें कर रहा है, वह आपको प्रोत्साहित कर रहा है।

हम यहां बिन बुलाए नहीं आए हैं; हमें यीशु मसीह में परमेश्वर की उस बड़ी बुलाहट को प्रतिसाद देना पड़ा। केवल परमेश्वर की दया के कारण ही हम प्रगति कर रहे हैं; परन्तु किसी ने सही कहा है कि बिना संघर्ष कोई प्रगति नहीं कर सकता।

यह पुस्तक आपको परमेश्वर और ऊंचा उठने के लिए प्रोत्साहित करेगी, चुनौती देगी। मगर मैं आपको सावधान करना चाहता हूं: यह बात आपको गुस्सा भी दिला सकती है। जब परमेश्वर हमारे धार्मिक विश्वास और परम्पराओं को जो पवित्र शास्त्र के अनुरुप नहीं है, उन्हें लेकर हम से सवाल करते हैं, तब अक्सर हमें गुस्सा आता है।

परन्तु हमें चुनाव करना ही होगाः कि क्या हम बाइबिल आधारीत मसीहत चाहते हैं या फिर हम घटिया मसीहत का अनुसरण करना पसंद करेंगे?

क्या हम परमेश्वर की अलौकिक सामर्थ्य में जीना और सेवा करना चाहते हैं या हम एक ऐसी मसीही जीवन जीने में ही खुश है जो समझौते से भरा, असमर्थ तथा दूषित प्रकार का है जिसमें किसी को बचा पाने की कोई सामर्थ्य मौजूद नहीं है।

पुस्तक के पहले भाग में, मैं आपको जीवन तथा सेवकाई के अलग अलग 31 क्षेत्रों के बाइबिल आधारित दृष्टिकोण प्रस्तुत करना चाहूंगा। दूसरे भाग में, पहले भाग के प्रत्येक अध्याय के लिए पवित्र शास्त्र में से अतिरिक्त वचन दूंगा।

इस पुस्तक को एक ही बार में यूंहि न पढ़ेः इसे अपनाए, इस पर लिखे, टिप्पणियाँ लिखे, और जहां परमेश्वर आपसे बातचित करते हैं, उस स्थान को रेखांकित करें। याद रखे कि इस पुस्तक को केवल पढ़ने के लिए उपयोग में लाना पर्याप्त नहीं है; आपको विश्वास के साथ आगे कदम बढ़ाने की जरूरत है और परिणाम देखने के लिए इस पुस्तक की सच्चाईयों को अमल में लाना है। प्रभु आपके जीवन में क्या करने वाले हैं, इस बात को लेकर मैं अति उत्साहित हूँ।

भाग पहला:

31 बातें जो प्रत्येक विश्वासी कर सकता है

यीशु ने उससे कहा, “यदि तू कर सकता है; यह क्या बात है? विश्वास करनेवाले के लिये सब कुछ हो सकता है।” (मरकूस 9:23)

मैं तुम से सच सच कहता हूँ, कि जो मुझ पर विश्वास रखता है, ये काम जो मैं करता हूँ वह भी करेगा, बरन इन से भी बड़े काम करेगा, क्योंकि मैं पिता के पास जाता हूँ। और जो कुछ तुम मेरे नाम से मांगोगे, वहीं मैं करूंगा कि पुत्र के द्वारा पिता की महिमा हो। यदि तुम मुझ से मेरे नाम से कुछ मांगोगे, तो मैं उसे करूंगा। (यूहन्ना 14:12–14)

जब हम विश्वास में अपना कदम आगे बढ़ाते हैं और परमेश्वर के वचनानुसार तथा पवित्र आत्मा के कहेनुसार कार्य करते हैं, तब हम भी, उन अलौकिक कार्यों को कर सकते हैं, जैसा यीशु ने किए, बल्कि उससे भी बड़े!

चेस्टर एच. पौल

1
प्रभु के दर्शन का आज्ञापालन कीजिए

यीशु आपके जीवन के संबंध में असमंजस में नही है; वे निश्चित रुप से जानते हैं कि उन्होंने आपको क्या बनने के लिए सृष्ट किया है, तथा कौन सा कार्य करने के लिए बुलाया है। यीशु आपके विषय में सब कुछ जानते हैं: वे आपके अतीत को जानते हैं, आपका वर्तमान, यहां तक कि वे आपका भविष्य भी जानते हैं। उन्होंने यिर्मयाह से कहा, “तेरे उत्पन्न होने से पहिले ही मैं ने तुझे अभिषेक किया; मैं ने तुझे जातियों का भविष्यद्वक्ता ठहराया।”

जब प्रभु किसी भविष्य के स्वप्न, दर्शन तथा प्रकटन के द्वारा आपको भविष्य की एक झलक दिखाते हैं, तब वे चाहते हैं कि आप उस बात को गंभीरता से ले, क्योंकि ऐसा कुछ अपने आप ही घटित नहीं होने वाला: यीशु ने आपको जो दर्शन दिया है, उसे पूरा करने के लिए आपको उनके साथ मिलकर कार्य करना होगा।

हमारे प्रत्येक की बुलाहट के अनुसार परमेश्वर हम से व्यवहार करते हैं। मेरी बात करे तो, मुझे एक लेखक बनने की बुलाहट दी गई है, मेरी पत्नी को एक अभिषिक्त संगीतकार बनने की।

प्रभु ने हम दोनों को अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए कहा। मेरी पत्नी ने अपने वाद्यों को प्रदर्शित करने के लिए एक तख्ता बनवाया है, और मैं ने अपने कार्यालय में अनेक वर्षों से मैं ने जो किताबें खरीदी है, उन्हें रखने के लिए कई तख्ते बनवाए हैं।

जब भी मैं उन किताबों को देखता हूँ, मुझे स्मरण होता है कि परमेश्वर ने अपनी आत्मा के सामर्थ के द्वारा मुझ एक लेखक बनने को बुलाया है - जिससे कि मेरे पाठक स्वयं की बुद्धि पर नहीं परंतु परमेश्वर की सामर्थ पर विश्वास करें।

आपके विषय में क्या? आपको प्रभु ने कौन सा दर्शन दिया है? आप किस प्रकार से इस पृथ्वी पर परमेश्वर के राज्य को आगे बढ़ाने वाले है? क्या आप अपने स्वर्गीय दर्शन के प्रति आज्ञाकारी है?

पवित्र वचन

सो हे राजा अग्रिप्पा, मैं ने उस स्वर्गीय दर्शन की बात न टाली। (प्रेरित. 26:19)

2
परमेश्वर को अधिक जानने की भूख रखो

परमेश्वर को अधिक जानने के प्रति आपकी भूख को कोई व्यक्ति या कोई चीज़ चूरा ले, इसकी अनुमति न दो। परमेश्वर ने आपके जीवन में कल क्या किया इसके लिए उनका धन्यवाद दो। लेकिन कल तो बीत चूका है, मेरे दोस्त! हमें तो आज प्रभु की खोज करना है, आज हमें उन्हें अपने आप को समर्पित करना है। आज हमें स्वर्ग से एक नये स्पर्श की जरूरत है।

जब भी हम परमेश्वर के प्रति हमारी भूख को खो देते हैं, ऐसा तब होता है जब हम पर कोई आत्मिक आक्रमण होता है, या हम ने अपने आप को परमेश्वर के अलावा किसी अन्य वक्ति या वस्तु को अधिक महत्व दे रखा हैं। चाहे जो भी हो, अब भी आशा है: यदि पहली बात सच है तब उस शत्रु का सामना करे जब तक उसका आक्रमण टूट कर बिखर न जाए, यदि दूसरी बात है, तब आपको पश्चाताप करने की जरूरत है और सम्पूर्ण हृदय से परमेश्वर की ओर मुड़ने की जरूरत है।

जो लोग परमेश्वर के लिए भूखे और प्यासे हैं, ऐसो के लिए परमेश्वर की गहन बातें सुरक्षित रखी गई है। प्रेरित पौलुस इस बात को जानता था: इतने वर्षों तक प्रभु के साथ नित्य चलते रहने के बावजूद भी वह अब भी रो रहा है, “मैं उसका और उसके मृत्युंजय की सामर्थ को, और उसके साथ दुखों में सहभागी होने के मर्म को जानू, और उस की मृत्यु की समानता को प्राप्त करूं।” पौलुस जानता था कि उसने अभी तक यह सब नहीं “जाना” है। वह अधिक जानने के लिए भूखा था। वह कहता है, “मैं उस पदार्थ को पकड़ने के लिए दौड़ा चला जाता हूं, जिस के लिए मसीह यीशु ने मुझे पकड़ा था।” (फिलिप्पि.3:10–15)

परमेश्वर के प्रत्येक महान कार्य से पहले आत्मिक भूख उत्पन्न होती है। अतः अपनी भूख को सुरक्षित रखो और होने दे कि वह आपको प्रेरणा दे कि आप प्रभु की खोज में जुट जाओ जैसा आपने पहले कभी नहीं किया हो।

पवित्र वचन

जैसे हरिणी नदी के जल के लिये हांफती है, वैसे ही, हे परमेश्वर, मैं तेरे लिये हांफता हूं। (भजन. 42:1)

धन्य हैं वे, जो दयावन्त हैं, क्योंकि उन पर दया की जाएगी। (मत्ती 5:6)

3
प्रार्थना में बने रहो

जब तक कोई यीशु, जो मसीहा है, उनके नाम से परमेश्वर से निरंतर प्रार्थना नहीं करता, तब तक कुछ नहीं होने वाला। प्रार्थना करने से परमेश्वर भी मध्यस्था करते हैं तथा दूत भी आपके समर्थन में खड़े होते हैं; प्रार्थना के द्वारा आप पर परमेश्वर की असामान्य कृपादृष्टि तथा स्त्रोत नौछावर किए जाता हैं।

प्रार्थना, भटकी हुई आत्माओं को उद्धार दिलाती है, विश्वास में कमजोर हुए लोगों को पुनःस्थापित करती है, प्रताड़ितों को छुटकारा दिलाती है। केवल प्रार्थना ही के द्वारा हम अंधकार की ताकतों को दूर भगा सकते हैं तथा उन्हें पूरी तरह पराजित होते हुए देख सकते हैं।

प्रभावी रुप से प्रार्थना करने के लिए, हमें अपने हृदयों को शुद्ध तथा अपने हाथों को स्वच्छ रखने की जरूरत है; हमें हमेशा परमेश्वर के वचनों के अनुसार प्रार्थना करने की आवश्यकता है।

पवित्र आत्मा हमें प्रार्थना करने के लिए समर्थ बनाता है। परिस्थितियों को देखते हुए वह हमें विश्वास के साथ, निवेदन करते हुए, मध्यस्थी, एकजुट करते हुए तथा मुक्त करते हुए, परिश्रम, स्वीकार करते हुए, सरकारी आदेशों, आराधना, युद्धजनक परिस्थिति, अन्य भाषा में, पवित्रीकरण, भविष्य संबंधी घोषणाओं, या जैसी भी जरूरत हो, प्रार्थना करना सिखाती है।

सभी राष्ट्रों के लिए एक सच्ची कलीसिया, प्रार्थना का एक मंदिर है। प्रार्थना, एक गंभीर विषय है; यह राष्ट्रों की नियति को प्रभावित कर सकती है।

प्रार्थना में निरंतर बने रहने के कारण, राष्ट्रों का उत्थान होता है तथा उनका नाश भी हो जाता है। यीशु, प्रार्थना की एक सशक्त सेना खड़ी करने जा रहे हैं। आप भी पीछे न रहते हुए उसमें शामिल हो जाए।

पवित्र वचन

धर्मी जन की प्रार्थना के प्रभाव से बहुत कुछ हो सकता है। (याकूब 5:16)

इसलिये आओ, हम अनुग्रह के सिंहासन के निकट हियाव बान्धकर चलें, कि हम पर दया हो, और वह अनुग्रह पाएं, जो आवश्यकता के समय हमारी सहायता करे। (इब्रानियों 4:16)

4
पहचानना सीखो

जो लोग सही पहचान पाना नहीं सीखतें, वे हमेशा ही धोखा खाएंगे; वे अच्छाई को बुराई और बुराई को अच्छाई समझकर स्वीकार करते रहेंगे। पहनानने का सही अर्थ है किसी वस्तु या किसी व्यक्ति को सही रीति से जान पाना। इसे सही रीति से समझ पाने तथा परख पाने की क्षमता कहते है।

जिस प्रकार एक नन्हा शिशु, फर्श पर किसी भी वस्तु को खाने की कोशिश करता है, उसी प्रकार एक सही पहचान या सही परख न करने वाला व्यक्ति बरताव करेगा। वे किसी भी प्रचारक को सुनेंगे और उनके किसी भी संदेश पर विश्वास कर लेंगे। वे इस बात की परख नहीं कर पाते कि क्या उनका यह संदेश बाइबिल के आधार पर 'खरा' उतरता है, यह वह केवल "मुनष्यों की परम्परा" मात्र है या उससे भी बदतर "शैतान का सिद्धान्त" है।

अपनी पहचानने की क्षमता को विकसित करने के लिए हमें परमेश्वर के वचन में सशक्त होना पड़ेगा, तथा परमेश्वर की आत्मा के प्रति संवेदनशील बनना पड़ेगा।

पहचान पाना न केवल हमें ऐसे लोगों तथा वस्तुओं से बचने में सहायता करेगा जो हमारे जीवन को बर्बाद कर सकते हैं, बल्कि यह आपको प्रभु से उन सारी भली बातों को प्राप्त करने में सहायता करता है जो उन्होंन उन लोगों के लिए रख छोड़ी है जो उन पर विश्वास करते हैं।

अपनी पहचानने की क्षमता में आप जितनी बढ़ोतरी करते जाओगे, उतना ही अधिक आप धार्मिकता से प्रेम करने लगोगे तथा बुराई से घृणा। जो अच्छा है उसका चुनाव करना आप सिखोगे तथा जो बुरा है उसका आप त्याग करोगे।

पवित्र वचन

हाय उन पर जो बुरे को भला और भले को बुरा कहते, जो अंधियारे को उजियाला और उजियाले को अंधियारा ठहराते, और कडुवे को मीठा और मीठे को कड़वा करके मानते हैं! (यशायाह 5:20)

पर अन्न सयानों के लिये है, जिन के ज्ञानेन्द्रिय अभ्यास करते करते, भले बुरे में भेद करने के लिये पक्के हो गए है। (इब्रानियों 5:14)

5
प्रभु में उपवास रखो

आपके जीवन के अलग अलग क्षेत्रों में आप जिन चुनौतियों का सामना कर रहे है, उनमें तब तक बदलाव नहीं आ सकता जब तक आप उनमें बदलाव लाने का भरकस प्रयत्न नहीं करेंगे और उस प्रकार का उपवास नहीं रख पाओगे जैसा कि परमेश्वर चाहते हैं।

बाइबिल में जिस प्रकार का उपवास रखने के लिए कहा गया है यदि हम उस प्रकार का उपवास रखते हैं, तो वह हमें प्रभु के सामने नम्र होना, अपने पापों से पश्चाताप करना, प्रभु के निकट आना, और उनकी अलौकिक दया और अनुग्रह को प्राप्त करना सिखाता है जिससे कि हम हमारी हर एक चुनौतियों पर विजय पा सके।

जब आप उपवास रखने का निर्णय लेते हो, तब आप परमेश्वर से यह कह रहे हो, “प्रभु मैं आपको सब कुछ समर्पित करता हूँ। आप जो कहोगे मैं वो करूंगा। आपकी उत्तम बातों को ग्रहण करने के लिए मैं तैयार हूँ।”

बाइबिल ऐसे लोगों से भरी पड़ी है जिन्होंने उपवास की सामर्थ के लिए परमेश्वर से गुहार लगाई और उन्हें उसके चमत्कारिक परिणाम देखने को मिले।

बाइबिल आधारित उपवास, बंदियों का छुटकारा, भूखों को भोजन, नंगों को वस्त्र, बेघरों को घर दिलाता है, किसी प्रकार का दण्ड या विपत्ति से बचाता है, पराजय को विजय में बदल देता है, यहां तक कि राष्ट्रों की नियति को बदल देता है। इस प्रकार के अनगिनत फायदे हमें होते हैं, क्योंकि उपवास हमें प्रभु के निकट ले आता है, और जब परमेश्वर हमारे नजदीक होते हैं, तब हमारे लिए सब कुछ संभव हो जाता है।

पवित्र वचन

तौभी यहोवा की यह वाणी है, अभी भी सुनो, उपवास के साथ रोते पीटते अपने पूरे मन से फिरकर मेरे पास आओ। (योएल 2:12)

पर अन्न सयानों के लिये है, जिन के ज्ञानेन्द्रिय अभ्यास करते करते, भले बुरे में भेद करने के लिये पक्के हो गए है। (इब्रानियों 5:14)

और कोई बात तुम्हारे लिये अनहोनी न होगी। (मत्ती 17:21)

6
ईश्वरीय चंगाई कार्यान्वित करो

जो लोग शैतान की मार से प्रताडित थे, उन सारे लोगों के लिए यीशु, भलाई और चंगाई करते फिरते रहे। उन्होंने यही कर पाने का अधिकार और सामर्थ अपने अनुयायियों को भी दिया। यीशु मसीह के सामर्थी नाम में प्रत्येक विश्वासी को चंगाई की सेवकाई सिखाई जा सकती है।

एक व्यक्ति ऐसे एक रहस्यमय बीमारी से बुरी तरह से पीड़ित था, जिस बीमारी ने लगभग एक वर्ष पहले उसके बहन की जान ली थी। कई महीनों तक वे अस्पताल में भर्ती रहे, लेकिन डॉक्टर उन्हें ठीक नहीं कर पाएं। जब उसके परिवार वालों में मुझे उसके लिए प्रार्थना करने के लिए बुलाया, उस समय वे अपने घुटनों को अपनी छाती के पास लेकर सो रहे थे; घरवालों ने बताया कि सारी रात उसने बहुत ही दर्द में काटी, और वह अब खड़े भी नहीं हा पा रहे।

जब मैं मन में सोच ही रहा था कि उसके लिए किस प्रकार से प्रार्थना करू, तब प्रभु ने मुझ से कहा, “मैं नहीं चाहता कि तुम उसके लिए प्रार्थना करोः मैं चाहता हूँ कि तुम उसकी बीमारी को उसका शरीर छोड़ जाने की आज्ञा दो, और उस व्यक्ति से वह करने के लिए कहो जो वह कर नहीं पा रहा है।” जब मैं ने प्रभु की आज्ञा मानी, तब वह व्यक्ति अपने बिस्तर से उठा खड़ा हुआ और तुरन्त तथा पूरी रीति से चंगा हो गया। यह कई वर्षो पहले की बात है, और वह व्यक्ति आज भी भला चंगा है।

कई वर्षों से मैं ने अनेक लोगों को चंगा किया है, और मैं ने दूसरों को भी चंगाई की सेवकाई का प्रशिक्षण दिया है। एक सच्चे विश्वासी होने के नाते, यह आपकी विरासत का हिस्सा है, अतः इस अधिकार से आपको किसी को अलग करने की अनुमति न दे।

पवित्र वचन

मैं तुम से सच कहता हूँ कि जो कोई इस पहाड़ से कहे; कि तू उखड़ जा, और समुद्र में जा पड़, और अपने मन में सन्देह न करे, बरन प्रतीति करे, कि जो कहता हूँ वह हो जाएगा, तो उसके लिये वहीं होगा। (मरकूस 11:23)

7
परमेश्वर के अधीन हो जाओ और शैतान का सामना करो

"अधीन" इस शब्द का अर्थ है कि सही श्रेणी में आकर खड़े होना। जो लोग नहीं जानते कि परमेश्वर की श्रेणी उनसे ऊंची है वे अनजाने में लगातार परमेश्वर तथा उनके वचन के विरोध में ही अपना जीवन व्यतीत करते रहेंगे।

क्या आप नहीं जानते कि यीशु मसीह राजाओं के राजा हैं और प्रभुओं के प्रभु हैं? और उनका नाम, स्वर्ग में, इस पृथ्वी पर यहां तक कि नरक में भी सबसे ऊपर है? क्या आपने कभी सुना नहीं कि मसीह के सामने हर एक घुटना टेकेगा, तथा हर एक जीभ यह अंगीकार करेगी कि यीशु ही प्रभु है?

आप की उचित श्रेणी प्रभु यीशु मसीह के नीचे है, तथा शैतान के ऊपर है। आप शैतान का सफलतापूर्वक सामना नहीं कर पाएंगे या उस पर विजय नहीं प्राप्त कर पाएंगे जब तक आपने पूर्ण रीति से अपने आप को प्रभु यीशु मसीह के अधीन न कर दिया हो।

शैतान आप से नफरत करता है, और वह आपको तथा आप जितनों को भी जानते हो, उन सब को नरक में ले जाना चाहता है। सामना करने का अर्थ है, डट कर खड़े रहना, विरोध करना। आपको शैतान, उसके सारे मार्गों, दुष्टात्माओं, तथा मानव के रुप में उसके प्रतिनिधियों के विरोध में खड़े होना है।

ऐसा नहीं कि शैतान आपकी प्रतिभाओं, शिक्षा, पद या धन को देखकर आपसे दूर भागेगा - लेकिन वह डर के मारे आपसे तब दूर भागेगा जब आप पवित्र आत्मा के अधीन होना सीख जाओगे। समस्त नरक भर से कांप उठता है जब कोई व्यक्ति मसीह को अपना समर्पण करता है।

परमेश्वर के प्रति समर्पित रहो, शैतान का सामना करते रहो, और देखना शैतान आपसे हमेशा दूर ही भागेगा।

पवित्र वचन

इसलिये परमेश्वर के अधीन हो जाओ; और शैतान का सामना करो, तो वह तुम्हारे पास से भाग निकलेगा। (याकूब 4:7)

8
अत्याचार सहो

किसी भी समय, किसी के भी माध्यम से आप पर अत्याचार हो सकता है। यदि हम उसके लिए तैयार रहते हैं, तो हम उसका सह पाएंगे, जिससे कि हम परमेश्वर के अभिषेक में आगे बढ़ते रहे।

तुम्हारा शत्रु तुम पर आक्रमण करेगा, लोगों को इसकी अपेक्षा रहती है, परन्तु यदि यह शत्रुता या दुर्व्यवहार किसी मित्र या परिवार के लोगों द्वारा किया जाए, तो इसका सामना करना बड़ा कठिन हो जाता है।

कभी कभी लोग आप पर इसलिए प्रताड़ित करते हैं क्योंकि उनका शरीर और उसमें बसी दुष्टात्मा, आपके जीवन पर अभिषेक को देखकर बौखला जाती है। और कभी कभी वे केवल ईर्ष्या या जलन के कारण ऐसा करते हैं।

चाहे कोई भी जो भी करता हो, हमें उनको क्षमा करना है, और विश्वास, आनन्द और विजय में आगे बढ़ते जाना है।

यीशु ने कहा, “यदि संसार तुम से बैर रखता है, तो तुम जानते हो, कि उस ने तुम से पहिले मुझ से बैर रखा। यदि तुम सांर के होते, तो संसार अपनों से प्रीति रखता, परन्तु इस कारण कि तुम्हें संसार में से चुन लिया है इसी लिये संसार तुम से बैर रखता है।” (यूहन्ना 15:18–19)

एक सच्चा विश्वासी बने रहने के लिए कीमत चुकानी पड़ती है: इस कीमत का एक भाग है, संसार द्वारा आपसे बैर रखना। दुष्टता से भरे इस संसार में बिना अत्याचार सहे, भक्ति के साथ जीवन बिताना और धार्मिकता के लिए खड़े रहना, असंभव सी बात है।

पवित्र वचन

पर जितने मसीह यीशु में भक्ति के साथ जीवन बिताना चाहते हैं वे सब सताए जाएंगे। (2 तीमुथि. 3:12)

सो जब वे इकट्ठे हुए, तो पीलातुस ने उन से कहा; तुम किस को चाहते हो, कि मैं तुम्हारे लिये छोड़ दूं? बरअब्बा को, या यीशु को जो मसीह कहलाता है? क्योंकि वह जानता था कि उन्हों ने उसे डाह से पकड़वाया है। (मत्ती 27:17–18)

9
परमेश्वर के वचन का आदर करो तथा उसका पालन करो

आप इस धरती से हर पुस्तक को नष्ट कर सकते हो, परन्तु आप कभी बाइबिल को छुने की हिम्मत भी न करना। बाइबिल, यह अन्य पुस्तकों के समान नहीं है, क्योंकि इसे किसी मनुष्य ने नहीं लिखा। इसे परमेश्वर ने मनुष्यों के माध्यम से लिखा है।

आज यहां ऐसे लोग भी है जो बाइबिल का उदाहरण देते हैं, हालांकि वे बाइबिल को समझते भी नहीं, और वे उस प्रकार का जीवन भी व्यतीत नहीं करते; ऐसा इसलिए क्योंकि वे उस व्यक्ति को नहीं जानते जिसने यह किताब लिखि है - वे इसके रचयिता को नहीं जानते।

संपूर्ण पवित्र शास्त्र परमेश्वर के प्रेरणा से लिखा गया है; इसका संदेश, मनुष्यों द्वारा नहीं लिखा गया है, परन्तु पवित्र आत्मा, पवित्र लोगों के मन में कार्य कर रही थी, और उसी ने उन्हें कहने और लिखने के लिए प्रेरित किया। (2 तीमुथि. 3:16; 2 पतरस 1:21)

लोग, पवित्र शास्त्र में छानबिन कर रहे हैं, उसमें परमेश्वर को खोजने की कोशिश कर रहे हैं, परन्तु वे इस बात को समझ नहीं पा रहे कि बाइबिल उन्हें प्रभु यीशु मसीह की ओर इशारा कर रही है, क्योंकि वह इम्मान्यूएल है - अर्थात् परमेश्वर हमारे साथ।

बाइबिल की पुस्तकें, मेरे नायक, मेरे स्वामी - यीशु नासरी, जो मसीहा है, के विषय में लिखती हैं। वे ही हैं जिनके विषय में प्रतिज्ञा की गई थी- परमेश्वर का मेम्ना, जो संसार के पापों को अपने ऊपर ले लेता है।

बाइबिल को यदि सही रीति से जानना है तो हमें उस व्यक्ति की आज्ञा का पालन करने के लिए तैयार रहना है, जिसने वह पुस्तक लिखि है। परमेश्वर अपने पवित्र शास्त्र को उन लोगों के लिए खोल देते हैं जो इच्छा रखते हैं और उनकी आज्ञाओं का पालन करने के लिए तैयार है।

क्या आप ऐसा करने के लिए तैयार हैं?

पवित्र वचन

तब यीशु ने कहा, देख, मैं आ गया हूं, (पवित्र शास्त्र में मेरे विषय में लिखा हुआ है) ताकि हे परमेश्वर तेरी इच्छा पूरी करूं। (इब्रानियों 10:7)

10
बंधन मुक्त हो जाओ

आप में से जो इस पुस्तक को पढ़ रहे हैं, उसमें से अधिकांश अपने जीवन में किसी बुरी आदत या रवैये से संघर्ष कर रहे हैं। मैं जानता हूँ कि आपको कैसा महसूस होता होगा। मैं भी कभी ऐसे ही संघर्ष कर रहा था।

कभी कभी ऐसा प्रतीत होता है कि आप आकाश झूले में बैठे हैं: किसी समय आप ऊपर होते हो तो दूसरे ही क्षण नीचे। मैं अपने जीवन में क्षमा न करना और मन में कड़वाहट रखना, इन बुरी आदतों से संघर्ष कर रहा था। मैं चरस, गांजा, अश्लील फिल्में, शराब जैसी बुरी आदतों में लिप्त था।

मैं ने दर्जनों बार सिगरेट पीना छोड़ा, लेकिन कुछ ही दिनों में फिर पीने लगता था। आप में से कुछ लोग जानते होंगे यह कितना दुखदायी होता है, लेकिन परमेश्वर का धन्यवाद हो, आखिरकार मुझे सिगरेट से छुटकारा मिल ही गया और उसी प्रकार दूसरी आदतों से भी मैं छुटकारा पा सका, अतः कभी आशा न छोड़ो। यीशु छुटकरा दिलाने वाले है: अगर उन्होंने मुझे छुटकारा दिलाया है, तो वे आपको भी छुटकारा दिला सकते हैं।

आप छुटकारा पाने के लिए किस हद तक बेचैन हो? क्या आप परमेश्वर द्वारा अपने आप को पूरी तरह से 'बदलने' के लिए तैयार हो? या आप केवल इधर-उधर थोड़ी लिपापोती करवाना चाहते हैं?

इसहाक ने एसाव से कहा कि जब तक वह इसकी अनुमति देगा या निष्क्रिय रहता है, तब तक उसका भाई उस पर प्रभुता करेगा, लेकिन जब वह बेचैन हो जाएगा और सोचेगा कि अब बहुत हो चुका, तब वह बंधन मुक्त हो जाएगा।

प्रिय पाठकों, परमेश्वर की सामर्थ इस समय भी आपके लिए उपलब्ध है, परन्तु इसके लिए आपको अपनी इच्छाशक्ति और आपकी "चाहने की शक्ति" को कार्य में लाना होगा, और आपके लिए यह काम कोई दूसरा व्यक्ति नहीं कर सकता। आपको निर्णय लेना है, आपको इच्छा रखना है कि आप मुक्त होना चाहते हैं। इसके लिए इसी समय परमेश्वर से गुहार लगाए और आपको जकड़ी हुई बंड़ियों से विद्रोह करें।

पवित्र वचन

मैं तुझे स्वर्ग के राज्य की कुंजियां दूंगा: और जो कुछ तू पृथ्वी पर बान्धेगा, वह स्वर्ग में बन्धेगा; और जो कुछ तू पृथ्वी पर खोलेगा, वह स्वर्ग में खुलेगा। (मत्ती 16:19)

11
विश्वास के द्वारा जीवित रहो

जो लोग उतनी गंभीरता से प्रभु की खोज नहीं करते, या उसी समय उनको प्रभु की याद आती है जब उनको जरूरत होती है, तो वे उनसे प्राप्त होने वाले प्रतिफल के पूर्ण भागीदार नहीं बन पाएंगे। परमेश्वर की सबसे उत्तम आशीषें उन लोगों के लिए हैं जो पूरी कर्मठता से तथा संपूर्ण हृदय से उनकी खोज करते हैं।

बाइबिल कहती है कि विश्वास बिना उन्हें प्रसन्न कर पाना अनहोना है, क्योंकि परमेश्वर के पास आनेवाले को विश्वास करना चाहिए कि वह है; और अपने खोजनेवालों को प्रतिफल देता है।

विश्वास भी कर्म बिना मरा हुआ है।

ऐसे में आप विश्वास कैसे प्राप्त करोगे? बहुत ही आसान है।

प्रभु यीशु हमारे विश्वास के कर्ता और उसे पूर्णता देनेवाले है; वे ही उसकी पहल करते हैं तथा हमारे विश्वास की चाल को सिद्ध बनाते हैं।

यीशु ने कहा, "मेरी भेड़ें मेरी आवाज पहचानती है, वे मेरी आवाज को जानते हैं और मेरे पीछे चलते हैं।"

जब आप उनकी आवाज सुनते हैं, तब आप में विश्वास जागता है। जब आप उनकी आवााज को पहचानते हैं, तब आपका विश्वास स्थापित होता है। जब आप उनकी आवाज के पीछे चलते हो, तब आपके विश्वास का सिद्ध बनाया जाता है।

"जो जीवित है, और जो मर गया था और देखो अब वह युगानुयुग तक जीवित है" उनकी आवाज को सुनने से बेहतर इस दुनिया में दूसरी कोई बात नहीं है।

मसीह में परमेश्वर की सारी प्रतिज्ञाएं "हाँ" है और उन्हीं में हम अपना "आमीन" जोड़ते हैं

पवित्र वचन

और विश्वास बिना उसे प्रसन्न करना अनहोना है, क्योंकि परमेश्वर के पास आनेवाले को विश्वास करना चाहिए, कि वह है; और अपने खोजनेवालों को प्रतिफल देता है (इब्रानियों 11:6)

12
आनन्दित रहो

एक प्रचारक में कहा है कि परमेश्वर मजाकीया प्रवृत्ति के हैं, और अगर आपको इस बात पर विश्वास नहीं है, तो आप जाकर आईने में देख लो।

हालांकि यह बात सच है कि मुझे भयानक और अद्भुत रीति से रचा गया है, लेकिन मुझ यह बात माननी पड़ेगी कि कभी कभी जब मैं आईने में देखता हूं, तो मुझे कुछ मजेदार बातें नजर आती है और मैं अपनी हंसी रोक नहीं पाता।

चिकित्सा विज्ञान अब धीरे धीरे इस बात को मानने लगा है कि हंसने की कई फायदे हैं। शोध करने वाले अनेक शोधकर्ता अब इस बात को जानने लगे हैं कि हंसना, पूरे संसार में सबसे उत्तम दवाई है। इसके अलावा, यह बिलकुल मुफ्त में मिलती है और इसके कोई नकारात्मक दुष्परिणाम नहीं होते।

एक विवाहित जोडे ने कहा कि वे अपने काम में इतने व्यस्त रहते हैं कि उन्हें मनबहलाव के लिए कोई समय ही नहीं मिलता। यद्यपि, हम इस बहाने से कुछ दिनों तक बच सकते हैं, परन्तु यदि लम्बे अन्तराल की बात करो तो इससे हमें नुकसान ही झेलना पड़ सकता है।

इस अंग्रेजी कहावत को हम अच्छी तरह से जानते हैं कि 'हर समय काम ही काम तथा मनोरंजन के लिए कोई समय नहीं, इसके कारण जैक एक नीरस तथा बेजान बच्चा बन गया।' सच्चाई की बात करे तो यह केवल जैक पर ही लागू नहीं होता, बल्कि यह आप पर और मुझ पर भी लागू होता है। जब भी हम अपने जीवन में संतुलन नहीं बना पाते, और अपने शौक, मनोरंजन, खुशी के कुछ पलों के लिए समय नहीं निकाल पाते, तो हम भी एक नीरस और बेजान व्यक्ति बन जाएंगे।

परमेश्वर चाहते हैं कि हम पवित्र बने और आनन्दित रहे। पवित्र का मतलब उदास बने रहना नहीं है। पवित्र बनने का मतलब है परमेश्वर के लिए अलग किए जाना। इसमें अपने आप को उन बातों से अलग करना है जो बातें गलत है शामिल है, परन्तु इसमें जो बातें उचित है या जीवन के लिए भली है, उनका आनंद लेना भी शामिल है। परमेश्वर चाहते हैं कि आप संतुलित बने रहे।

पवित्र वचन

मन का आनन्द अच्छी औषधि है, परन्तु मन के टूटने से हड्डियां सूख जाती हैं। (नीतिवचन 17:22)

13
पवित्र आत्मा प्राप्त करो

अन्य भाषा बोल पाने के सबूत के साथ पवित्र आत्मा प्राप्त करना, मेरे जीवन तथा सेवकाई में एक 'बड़ा बदलाव' लाने वाला साबित हुआ। मैं सचमुच नहीं जानता कि उसके बिना मैं क्या कर पाता।

मेरे उद्धार पाने के कुछ महीनों बाद, परमेश्वर के एक सेवक ने मुझ में पवित्र आत्मा भर जाने के लिए प्रार्थना किया। जैसे ही उनकी प्रार्थना समाप्त हुई, मुझ पर एक नशा सा छा गया, अतः उन्होंने मुझ से कहा कि मैं निरंतर वेदी के पास प्रभु की आराधना करते रहूं। जब मैं आराधना कर रहा था, तभी एक पल के लिए, मैं खुद को नहीं देख पा रहा था, और उसी क्षण मुझे प्रभु दिखाई दिए। जैसे ही मुझे यीशु दिखाई दिए, मुझ पर परमेश्वर की सामर्थ बरस पड़ी और मैं जमीन पर गिर पड़ा और मैं अलौकिक भाषा बोलने लगा।

पिछले कई वर्षो से प्रभु ने मुझे एक ही समय पर कई घंटों तक अन्य भाषा में प्रार्थना करना सिखाया जिसके कारण पवित्र आत्मा के अन्य अनेक शक्तिशाली वरदान मेरे जीवन तथा सेवकाई में कार्य करने लगे।

यीशु, कलीसिया में मुखिया है और उन्होंने ही कहा कि विश्वासी अन्य भाषा बोलेंगे। पिन्तेकुस के दिन, सभी 120 अनुयायी अन्य भाषा बोलने लगे, जिसमें यीशु की माँ, उसके भाई और साथ ही उनके चेले भी शामिल थे।

कुरनेलियुस के घर जो लोग इकट्ठा हुए थे, जब पतरस वहां प्रचार कर रहा था, वे सारे अन्य भाषा बोलने लगे। जब इफिसुस में पौलुस ने बारह चेलों के लिए प्रार्थना की तब सभी चेले अन्य भाषा बोलने लगे। अन्य भाषा बोलने से परमेश्वर की अलौकिक सामर्थ बह उठती है और इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं कि शैतान इस बात का द्वेष करता है।

पवित्र वचन

और वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और जिस प्रकार आत्मा ने उन्हें बोलने की सामर्थ दी, वे अन्य अन्य भाषा बोलने लगे। (प्रेरित 2:4)

14
भविष्यद्वाणी करने में सक्षम बनो

सच्ची भविष्यद्वाणी प्रमाणित करती है कि यीशु मरे नहीं है। वह निःसंदेह इस बात को दर्शाती है कि वे जीवित हैं और वे अब भी मनुष्य के हृदय की गुप्त बातों को उजागर कर रहे हैं, तथा चमत्कार कर रहे हैं।

ऐसी ही मेरी एक आराधना के समय, मैं ने ऐसे लोगों को सामने बुलाया जिन्होंने अभी तक स्वयं के विषय में काई भविष्यद्वाणी प्राप्त नहीं की थी; उन लोगों में एक जवान विवाहित जोड़ा भी था। जब मैं उन्हें बता रहा था कि प्रभु मुझे उनके विषय में क्या प्रगट कर रहा है, तो वे दोनों रोने लगे और उन्होंने माना कि वह सब सच है। उसके बाद परमेश्वर ने उनको होने वाले बच्चे का नाम भी बताया; जब पति ने उस नाम को सुना तो वह अपने आप को रोक नहीं पाया और कहने लगा, “यही तो वो नाम है जो मेरी पत्नी ने सोच रखा है! यही नाम वो रखना चाहती है!” सारी बातों को सुनकर वे दोनों ही बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने स्वखुशी से अपने पापों से पश्चाताप किया और अपना जीवन प्रभु यीशु को दिया।

ऐसे ही एक अन्य सभा के समय, मेरी मुलाकात पुलिस के एक उच्च्य पदाधिकारी से हुई जिनका बायां हाथ नाकाम हो चुका था। जब मैं उनके लिए प्रार्थना करने जा रहा था, तथा प्रभु ने मुझ से कहा, “उस व्यक्ति के लिए भविष्यद्वाणी करो।” अतः मैं ने उस व्यक्ति से कहा कि वो घर जाकर सो जाए और जब अगले दिन सुबह वे उठेंगे तो पूर्ण रीति से चंगे हो जाएंगे। उस व्यक्ति ने प्रभु की आज्ञा का पालन किया और दूसरे दिन जब वह उठा तो पूर्ण रीति से चंगा हो चुका था।

बाइबिल हमसे कहती है कि आत्मा के फलों की इच्छा रखो, विशेषकर कि आप भविष्यद्वाणी कर सको। परमेश्वर चाहते हैं कि उनके सारे लोग भविष्य कथन करने में सक्षम हो जाए।

पवित्र वचन

प्रेम का अनुकरण करो, और आत्मिक वरदानों की भी धुन में रहो, विशेषकरके यह, कि भविष्यद्वाणी करो (1 कुरिन्थ. 14:1)

15
अपने मित्र बुद्धिमानी से चुनो

पुराने जमाने में लोग कहा करते थे, "मित्र, आपको लेकर जरूर जाएंगे, परन्तु वापस नहीं लाएंगे।" इसका सीधा अर्थ है कि अपने मित्रों का चुनाव बुद्धिमानी से करो अन्यथा वे आपको मार्ग से भटका सकते हैं।

एक महिला जो अपनी शराब की लत से छुटकारा पाना चाहती थी, ने कहा कि उसके "मित्र" तथा "मित्रों का परिवार" हमेशा यही कोशिश करते रहे कि मैं वापस मधुशाला में जाऊं, जबकि वे जानते थे कि मैं उस बुरी आदत से छुटकारा पाने की कोशिश कर रही हूं। मैं ने उसे सलाह दी कि वह पूरी रीति से मधुशाला जाना बन्द कर दे। मैं ने कहा, "अगर तुम अपने मित्रों से मिलते रहना चाहती हो, तो उनको एक ऐसी जगह पर मिला करो जहां शराब न मिलती हो।" क्या आपको लगता है कि उस महिला ने मेरी बात मानी होगी? बिल्कुल भी नहीं! और आज उसकी हालत पहले से भी बदतर है।

एक हट्टा-कट्टा जवान, 'शिमशोन' 'दलीला' नाम की एक स्त्री के चक्कर में बर्बाद हो गया। जब आप अपना जीवन बदलना चाहते हैं और एक पवित्र जीवन जीना चाहते हैं, तो आपको अपने पुराने मित्रों के साथ मिलना जुलना बन्द कर देना चाहिए या ऐसे लोगों के साथ, जिनके साथ मिलकर आप गलत काम किया करते थे, क्योंकि ऐसा न करने से निश्चित ही आप अपनी जिन्दगी बर्बाद कर दोगे।

सच्चे और अच्छे मित्र, यह प्रभु की ओर से हमारे लिए वरदान है। वे आपको कभी नीचा नहीं गिराएंगे। वे हमेशा आपको प्रोत्साहित करेंगे और आपको उन्नति की ओर ले जाएंगे। जब आपको उनकी जरूरत महसूस होगी तब-तब वे आपके लिए हाजिर होंगे। वे हमेशा आपके पीछे खड़े होंगे। सच्चे मित्र आपको और बेहतर बनाएंगे और आपके जीवन तथा सेवकाई में अधिक प्रभावशाली बनाएंगे।

पवित्र वचन

बुद्धिमानों की संगति कर, तब तू भी बुद्धिमान हो जाएगा, परन्तु मूर्खों का साथी नाश हो जाएगा। (नीतिवचन 13:20)

16
आग का बपतिस्मा लो

यीशु आपको पवित्र आत्म तथा अग्नि का बपतिस्मा देना चाहते हैं। बपतिस्मा का अर्थ है, 'डूबाना' या 'जलमग्न' करना।

एक बार जब मैं हवाई जहाज से सुसमाचार सुनाने के लिए डोमनिकन रिपब्लिक जा रहा था, उस समय मुझे प्रभु से एक वचन मिला; प्रभु यीशु ने मुझसे कहा, "बपतिस्मा देने वाले यूहन्ना ने लोगों को नदी के पानी में बपतिस्मा दिया, लेकिन मैं लोगों को तरल पवित्र आत्मा की अग्नि में डूबोना चाहता हूं।" यह वचन इतना सामर्थी था कि मुझे शब्दशः परमेश्वर की आग मेरे शरीर से होकर जाती हुई महसूस हुई।

सभा की पहली रात मैं ने लोगों को यही संदेश सुनाया और मेरा भाषांतर करने वाला व्यक्ति जो अनेक हफ्तों से दर्द में था और जिनके शरीर का बायां ऊपरी हिस्सा ठीक से काम नहीं कर रहा था, वह एकाएक ठीक हो गए। उसने अपनी गवाही में कहा कि उसे परमेश्वर की आग अपने शरीर से निकलती हुई महसूस हुई और वह अचानक पूरी तरह से अच्छा महसूस करने लगी।

उस सभा में प्रभु अनके लोगों को आशीषित कर रहा था तथा उन्हें चंगाई प्रदान कर रहा था। उनमें से एक व्यक्ति, जो जादूटोना करनेवाला तान्त्रिक था, सामने आकर देखने लगा कि क्या हो रहा है। प्रभु उस व्यक्ति से कई दिनों से बातचित कर रहे थे, और उस व्यक्ति को एक स्वप्न में नदी दिखाई। वह व्यक्ति सामने आया और सारी कलीसिया के सामने पश्चाताप करते हुए माफी मांगने लगा, उन सारे गलत कामों के लिए जो आज तक वो एक तान्त्रिक होने के नाते करता आया था। वह कहने लगा, "मैं जादूटोना और तन्त्र मन्त्र का त्याग करता हूं। इससे आगे मैं उसे कभी नहीं करूंगा। मुझे एक सच्चा और जीवित परमेश्वर चाहिए। मुझे यीशु मसीह चाहिए!"

क्या आपका आग से बपतिस्मा हुआ है?

पवित्र वचन

तो यूहन्ना ने उन सब के उत्तर में कहा, कि मैं तो तुम्हें पानी से बपतिस्मा देता हूं, परन्तु वह आनेवाला है, तो मुझ से शक्तिमान है; मैं तो इस योग्य भी नहीं, कि उसके जूतों का बन्ध खोल सकूं, वह तुम्हें पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा। (लूका 3:16)

17
क्षमा करो और क्षमा प्राप्त करो

क्षमा न कर पाने के पीछे हम ऐसे कितने ही टूटे रिश्ते, तलाक, निर्दयी अपराध, हत्यांए, जिसमें आत्मघाती हमले तथा दहशहवादी घटनाएं भी शामिल है का नाता जोड़ सकते हैं?

हमसे जब गलतियां होती है, तब हम चाहते हैं कि हमें क्षमा किया जाए, परन्तु कभी कभी जब लोग हमें चोट पहुंचाते हैं, तब हमें उनको क्षमा कर पाना बहुत कठिन और संघर्ष भरा जान पड़ता है। कई बार चोट पहुंचाने वाले शब्द तथा कृति हमारे मन के भीतर एक डरावनी फिल्म की तरह लगातार घुमते रहती है और रुकने का नाम ही नहीं लेती। यदि आप क्षमा कर पाने का मार्ग नहीं ढूंढ निकालोगे तो यह जल्द ही बढ़कर कड़वाहट, घृणा यहां तक कि हत्या का भी रुप धारण कर सकती है।

बहुतेरे लोग एक समय में जिस प्रकार प्रभु के साथ सरलता से चल पा रहे थे, वे अब वैसा नहीं कर पा रहे हैं, उन्होंने क्षमा न करना अपनी आदत बना ली है, जबकि अन्य, अपने जीवन के किसी एक या अधिक क्षेत्रों में इसी कारण से, अनजाने में शैतान की यातनाओं का अनुभव कर रहे हैं।

यह आपके लिए कभी भी बेहतर है कि आप क्षमा करें, क्योंकि क्षमा न करने से और से ज्यादा आपको खुद अधिक तकलीफ होती है। आपने परमेश्वर को, खुद को तथा अन्य लोगों को क्षमा करने का चुनाव कर लेना चाहिए।

पवित्र आत्मा को आपकी जांच पडताल करने को मौका दीजिए। अपने मुंह को खोले और कबूल करे। जो भी आप प्रभु के, स्वयं के, तथा अन्य लोगों के खिलाफ, अपने मन में कुछ रख रहे होंगे, उसे प्रभु को बताएं। उसमें सच्चाई रखे, और जो सही है वैसा ही बताएं। क्षमा कर दे, माफ कर दे, छोड़ दीजिए, जाने दीजिए। यह बातें आज की करें।

पवित्र वचन

इसलिये यदि तुम मनुष्य के अपराध क्षमा करोग, तो तुम्हारा स्वर्गीय पिता भी तुम्हें क्षमा करेगा। (मत्ती 6:14)

18
अपना समय और अवसर बुद्धिमानी से खर्च करो

कब्रस्थान, ऐसे लोगों से भरा पड़ा है जो यह सोचते थे कि उनके पास और समय है। परमेश्वर उनको बदलना चाहते थे, परन्तु वे बदलने के लिए तैयार नहीं थे। हम हमेशा बातों को कल तक के लिए टालते रहे, और एक समय ऐसा आया कि उनका समय खत्म हो गया। इस ब्रह्मांड में अगर कोई सबसे बड़ा चोर है, तो वो है, बातों को टालना, कल तक के लिए लम्बित करना। इस आदत को परमेश्वर में आपकी नियति पर असर न करने दे।

मेरे प्रियों, जीवन एक भाप के समान है: यह क्षणभर के लिए होती है। एक पल के लिए आप यहां होते हो और दूसरे ही पल गायब हो जाते हो। अतः अगला पल न खोए। समय आ गया है कि हम इस बात को समझे कि समय पल-पल में बितता जा रहा है।

मेरे मित्रों, हम अन्तिम दिनों में नहीं जी रहे; लेकिन मेरा पूर्ण विश्वास है कि हम अन्तिम दिन के अन्तिम घंटे में जी रहे हैं।

बाइबिल कहती है कि समय का सदुपयोग करो क्योंकि समय बुरा है; हमें हमारे आस पास के दुष्ट लोगों जैसा जीवन व्यतीत नहीं करना, जो केवल अपने आप को खुश करने के लिए जीते हैं। परन्तु हमें अपने समय का उपयोग बुद्धिमानी से करना है, ताकि हम प्रभु यीशु को प्रसन्न करे, और उनकी इच्छा को पूरा करें।

हम हमारे जीवन में परमेश्वर से प्राप्त अवसरों को हमारे हाथों से यूंहि फिसलने की अनुमति नहीं दे सकते। हमें समय को थामे रहना है तथा प्रत्येक अवसर को यीशु की महिमा के लिए और पृथ्वी पर उनके राज्य को बढ़ाने के लिए उपयोग में लाना है। इस बात पर अमल करने का समय अभी है, यही क्षण।

पवित्र वचन

हम को अपने दिन गिनने की समझ दे कि हम बुद्धिमान हो जाएं। (भजन. 90:12)

19
सही सहभागिता चुनो

प्रभु को आपको कलीसिया ले जाने की अनुमति दो, जिसका वे चाहते हैं कि आप एक हिस्सा बने। फिर चाहे वह कलीसिया किसी के घर में, या दुकान में या किसी भव्य इमारत में भरती हो, जिसमें हज़ारों से लोग उपस्थित रहते हो; जरूरी बात ये है कि यीशु अपने लोगों को स्थापित कर रहे हैं।

कलीसिया का मौलिक नमूना कैसा होना चाहिए, इसे जानने के लिए प्रेरितों के काम की पुस्तक को देखें कि आरंभिक कलीसिया कैसे हुआ करती थी: चेले एक जगह पर इकट्ठा होकर पवित्र आत्मा के आने का इंतजार करते थे, और जब परमेश्वर की सामर्थ उन पर आती थी, तब ऐसा प्रतीत होता था मानो वे नशे में हैं और अन्य भाषा में बोलना आरंभ करते थे। और फिर पतरस ने अभिषेक के अंतर्गत प्रचार किया और उनका संदेश लोगों के हृदयों को भेद गया; उन्होंने विश्वास किया, अपने पापों से पश्चाताप किया, और बपतिस्मा लिया। वे लोग प्रेरितों का उपदेश सुनते रहें, सहभागिता में बने रहे, साथ मिलकर प्रभु भोज लिया और प्रार्थना करते रहे।

कलीसिया बढ़ती गई और लोगों को चंगाई और छुटकारा मिलती रही। वे प्रेम में एक दूसरे के साथ जुड़े रहे और गरीबों की सेवा करने लगे। दूसरी ओर प्रेरित, विद्रोही प्रवृत्ति के लोगों से जुझते रहे ताकि कलीसिया का वातावरण भ्रष्ट न हो जाए। विश्वासियों को रोक पाना मुश्किल हो गया; यहां तक कि जब उन पर अत्याचार किया जा रहा था, तब भी वे सभी जगहों पर जाकर प्रचार कर रहे थे और नई कलीसिया स्थापित करते रहे।

क्या मैं आगे और कुछ बताऊं? इस प्रकार की कलीसिया की खोज में रहो। इस प्रकार की कलीसिया बनो। इससे कम में समझौता न करो!

पवित्र वचन

और एक दूसरे के साथ इकट्ठा होना न छोड़ें, जैसे कि कितनों की रीति है, पर एक दूसरे को समझाते रहें; और ज्यों ज्यों उस दिन को निकट आते देखो, त्यों त्यों और भी अधिक यह किया करो। (इब्रानियों 10:25)

20
यीशु मसीह के लहू के अधीन रहो

संपूर्ण ब्रह्मांड में यीशु मसीह द्वारा बहाया गया लहू सबसे शक्तिशाली धन है। उनका लहू जीवित है तथा उसे आवाज भी है। हाबिल का लहू, बदला लेने के लिए परमेश्वर को पुकार रहा था, परन्तु यीशु का लहू हमारी ओर से परमेश्वर से विनती कर रहा है कि वे हम पर अनुग्रह और दया करें।

उनके लहू ने हमारे लिए छुटकारा दिलाने वाले सभी फायदों को खरीद लिया है, जिसमें उद्धार, मुक्ति, सुरक्षा, चंगाई, इत्यादि शामिल है।

यीशु का बहुमूल्य लहू हमें हमारे सारे पापों के शुद्ध करता है तथा एक पवित्र जीवन जीने के लिए सामर्थ देता है। वह हमारा हमारे स्वर्गीय पिता से एक घनिष्ठ संबंध स्थापित करता है, और हमें शैतान पर पूर्ण विजय दिलाता है।

मैं ने उनके लहू को चमत्कार करते हुए देखा है। एक भयानक तुफान की आशंका से पहले मैं ने मेरे मकानों तथा वाहनों को यीशु के लहू की सुरक्षा के अधीन किया था, और अलौकिक रीति से वे तुफान के बावजूद भी सुरक्षित रहे, परन्तु जिस मकान और वाहन का लहू के अधीन नहीं किया था, वे सारे नष्ट हो गए।

जब हम विश्वास में, यीशु के लहू से विनती करते हैं, उसके कारण शैतान तथा शैतानी लोगों की गतिविधियां और उनकी सही पहचान हमारे सामने आ जाती है। वे यीशु मसीह के पवित्र लहू का सामना नहीं कर सकते।

आज, अनेक लोग लहू बगैर मसीहत को बेचने की कोशिश कर रहे हैं। उनके जाल में न फंसे। उस प्रकार की मसीहत किसी को भी बचा नहीं सकती। लहू के बहाये बिना, किसी भी प्रकार की क्षमा नहीं है।

पवित्र वचन

और यीशु मसीह की ओर से, जो विश्वासयोग्य साक्षी और मरे हुओं में से जी उठनेवालों में पहिलौठा, और पृथ्वी के राजाओं का हाकिम है, तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे: जो हम से प्रेम रखता है, और जिस ने अपने लहू के द्वारा हमें पापों से छुड़ाया है। (प्रकाशितवाक्य 1:5)

21
आशीष पाओ तथा आशीष का कारण बनो

कुछ लोगों को अपनी मित्रता, गरीबी के साथ छोड़ने की जरूरत है, क्योंकि वह मित्र नहीं, बल्कि शत्रु है। पिछले समय जब मैं बाइबिल पढ़ रहा था, उसमें लिखा था कि गरीबी, आशीष का नहीं परन्तु शाप का एक हिस्सा है।

परमेश्वर अपने लोगों को सामर्थ देता है कि वे धन पाएं ताकि वे उनके आशीषों का आनन्द ले सके, उनके राज्य की उन्नति में आर्थिक मदद कर सके, तथा दूसरों के लिए आशीष का कारण बन सके।

यद्यपि, आपको यह जानना जरूरी है कि सफलता और धन होना हमेशा इस बात की ओर इशारा नहीं करता कि वह व्यक्ति प्रभु की सेवा कर रहा है, क्योंकि बाइबिल में ही पूछा गया है, "... दुष्टों की चाल क्यों सफल होती है? क्या कारण है कि विश्वासघाती बहुत सुख से रहते हैं?" (यिर्मयाह 12:1)

यीशु ने अपने अनुयायियों को विश्वास दिलाया कि उनकी जरूरतें पूरी की जाएगी। उन्होंने कहा कि कल क्या खाएंगे, क्या पीएंगे और क्या पहनेंगे, इसकी चिंता न करना। संसार के लोग लगातार पैसों के पीछे भाग रहे हैं, परन्तु मैं नहीं चाहता कि आप भी वैसा ही करो। मैं चाहता हूं कि आप परमेश्वर का अपना स्वामी बनाओ और उनकी आज्ञा का पालन करो। और फिर देखो कि किस प्रकार वे आपके जीवन, आपके काम को आशीषित करते हैं, और किस प्रकार वे आपको दूसरों के लिए आशीष का कारण बनाते हैं।

पवित्र वचन

इसलिये पहिले तुम उसके राज्य और धर्म की खोज करो तो ये सब वस्तुएं तुम्हें मिल जाएंगी। (मत्ती 6:33)

और मैं तुझ से एक बड़ी जाति बनाऊंगा, और तुझे आशीष दूंगा, और तेरा नाम बड़ा करूंगा, और तू आशीष का मूल होगा। (उत्पत्ति 12:2)

22
यीशु मसीह के गवाह बनो

यीशु मसीह का गवाह बनना, यह प्रेम से संबंधित है, परमेश्वर के तथा लोगों के प्रति प्रेम। इसी लिए मैं ऐसा करता हूं, और इसी लिए आपको भी यह करने की आवश्यकता है।

गवाही देना एक सरल बात है परन्तु वह बहुत ही शक्तिशाली है। लोग अक्सर धर्म के विषय में बहस करते हैं, परन्तु व्यक्तिगत तौर पर आपने जो अनुभव किया है, उस पर वे बहस नहीं कर सकते; और गवाही इसी को कहते हैं। इसमें लोगों को केवल यह बताना होता है कि यीशु मसीह ने आपके जीवन में, तथा आपके जीवन के माध्यम से क्या किया है।

यह आप और प्रभु के बीच साझेदारी है; इसमें आपका भूमिका आसान होती है और बाकी कार्य प्रभु करते हैं। आप केवल लोगों को बताते हैं, और प्रभु आपके छोटे छोटे शब्दों तथा कहानियों को लेकर, उन्हें सामर्थ प्रदान कर किसी के दिल में कार्य करते हैं।

जब आप लोगों को प्रभु के बारे में बताते हैं तब हमेशा नम्र और सच्चे बने रहे; उनके साथ अपनी पहचान बनाए रखे, क्योंकि किसी न किसी तरह से उनके संघर्ष आपके संघर्ष भी होते हैं।

याद रखे कि प्रभु हमेशा आपके साथ है, जो आपको डरने की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन आप एक युद्ध में शामिल हो, अतः आपको हमेशा सतर्क रहना है। अतः प्रभु को अपनी सामर्थ से आपको अभिषिक्त करने की अनुमति दो, और एक साप की तरह चतुर तथा एक कबूतर की तरह नादान बने रहो।

लोगों की नियति अधर में लटकी हुई है।

पवित्र वचन

परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ पाओगे; और यरूशलेम और सारे यहूदिया और सामरिया में, और पृथ्वी की छोर तक तेरे गवाह होंगे। (प्रेरित. 1:8)

23
जब आप पाप में गिरते हो, तब फिर उठ खड़े हो

एक व्यक्ति जो पाप में ही जीवन बिता रहा है, और दूसरा व्यक्ति जो परमेश्वर के लिए अपना जीवन जी रहा है, और अपने जीवन के किसी कमजोर क्षण में पाप कर बैठता है, इन दोनों ही व्यक्तियों में बड़ा भारी अंतर है।

जब मैं ने उद्धार पा लिया था, उसके पश्चात मुझे याद है कि जब मैं ने पहली बार प्रभु के विरुद्ध पाप किया। उस समय मैं बहुत ही निराश और असमंजस में पड़ गया। ऐसे कैसे हो सकता है कि इतवार के दिन मैं इतने उत्साह से परमेश्वर की आराधना करता हूं और सोमवार को ही पाप कर बैठता हूं?

बिना सोचे समझे, मैं ने जोश जोश में शपथ ली कि अब मैं फिर कभी पाप नहीं करूंगा। लेकिन यकिन मानो मेरे हाथों फिर पाप हुआ और मैं बुरी तरह से असफल रहा, क्योंकि मैं स्वयं के बलबुते पर परमेश्वर की लिए जीने की कोशिश कर रहा था।

बाइबिल कहती है कि ऐसे लोग भी जो अपनी जवानी के चरम पर है, वे भी थकित होंन और पाप में गिरेंगे, परन्तु ऐसे लोग जो अपनी सामर्थ परमेश्वर से पाते हैं, वे दौड़ेंगे और श्रमित न होंगे, वे चलेंगे और थकित न होंगे।

एक विश्वासी के नाते मैं अपने जीवन में तीस वर्षों में सबसे बड़ा सबक यही सिखा है कि मैं स्वयं की ताकत पर परमेश्वर के लिए जीवन नहीं जी सकता। मुझे निरंतर परमेश्वर के अनग्रह की जरूरत पड़ती है, और उसे पाने का केवल एक ही मार्ग है कि मैं अपने आप को दीन बनाऊं और प्रभु से मदद के लिए विनती करू।

जब प्रभु आपसे आपके पापों के विषय में बातचित करते हैं, तो इस बात में सावधानी बरतिये कि आप उनको कैसा प्रतिसाद देते हैं क्योंकि आपका प्रतिउत्तर ही इस बात को निश्चित करेगा कि आप बुरी तरह से हारने वालों में से होंगे या फिर एक परिपक्त व्यक्ति जो पापों पर विजय हासिल करता है।

पवित्र वचन

मनुष्य की गति यहोवा की ओर से दृढ़ होती है, और उसके चलन से वह प्रसन्न रहता है; चाहे वह गिरे तौभी पड़ा न रह जाएगा, क्योंकि यहोवा उसका हाथ थामें रहता है। (भजन. 37:12–24)

24
निश्चित करें कि आपका नाम, जीवन की पुस्तक में है

एक दिन जब मैं सुसमाचार की पत्रियां बांट रहा था, प्रभु ने मुझे एक दर्शन दियाः मैं ने परमेश्वर के सिंहासन के सामने महान तथा छोटे, दोनों ही प्रकार के व्यक्तियों को खड़े देखा, जिनका न्याय होने वाला था।

मैं नहीं जानता कि कैसे, परन्तु एक ही क्षण में, मैं ने आज जिन लोगों से बातचित की थी, उन सारे लोगों को तथा भविष्य में मैं जिन लोगों से मेरी मुलाकात होने वाली है, उन लोगों को भी- उन सभों को मैं ने परमेश्वर के सिंहासन के सामने खड़े देखा।

प्रभु ने कहा, “पुत्र, वह प्रत्येक व्यक्ति जिसका नाम मेम्ने के जीवन की पुस्तक में नहीं है, उनको नरक में भेज दिया जाएगा। पुत्र, तू इन लोगों तथा नरक के बीच में खड़े हो - इन लोगों को नरक में न जाने दो।”

मेम्ने की जीवन की पुस्तक में अपना नाम दर्ज कराने का केवल एक ही मार्ग है, अपने पापों से संबंध तोड़ दो और प्रभु यीशु मसीह के चेले बन जाओ। मुझे और आप को इसलिए नहीं बनाया गया था कि हम स्वयं को संतुष्ट करें: हमें परमेश्वर ने बनाया था और परमेश्वर के लिए बनाया था, इसके बावजूद भी हम सब भटक गए। हम ने अपना ही रास्ता चुन लिया और अपनी ही मर्जी से जीवन जीने लगे।

यीशु ने कहा कि अगर हम उनके चेलों में से एक बनना चाहते हैं, तो हमें स्वयं से इनकार करना होगा, उन्हें अपना पूर्ण समर्पण करना होगा, और प्रतिदिन उनक आज्ञाओं का पालन करना होगा।

क्या आपको नाम मेम्ने की जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ है? क्या आप इस बारे में निश्चित हो? अगर आपकी आज रात मृत्यु हो जाए, तो क्या आप स्वर्ग में जा पाओगे?

पवित्र वचन

फिर मैं ने छोटे बड़े सब मरे हुआ को सिंहासन के साम्हने खड़े हुए देखा, और पुस्तकें खोली गई... और जिस किसी का नाम जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ न मिला, वह आग की झील में डाला गया। (प्रकाशित. 20:12अ, 15)

25
दुष्टात्माओं को निकाल भगाओ

आप जितनी कल्पना नहीं कर सकते, उससे भी कहीं ज्यादा दुष्टात्माएं बुरी होती है; वे गुप्त रुप से कार्य करने का भरपूर प्रयास करती रहती है, और लोगों को यह विश्वास दिलाना चाहती है कि उनका अस्तित्व ही नहीं है।

जिन लोगों पर दुष्टात्माएं 'कार्य करती' है, ऐसे लोग अप्रशिक्षित आंखों को बहुत ही सामान्य नजर आ सकते हैं। उनका एक सफल पेशा और सामाजिक जीवन प्रतीत हो सकता है, यहां तक कि वे किसी स्थानीय कलीसिया का हिस्सा भी हो सकते हैं।

जादू टोना तथा बाइबिल विरोधी शिक्षाओं के पीछे सही मायने में दुष्टात्माएं ही होती है; वे लोगों को लैंगिक विकृतियों में सम्मोहित करती है और अनेक व्यसनों का गुलाम बना देती है। उनके कारण, भावनिक, मानसिक, यहां तक कि शारीरिक बिमारियां भी होती है।

दुष्टात्मा, हर झाड़ी के पीछे छिपी नहीं है, परन्तु वह अनेक लोगों तथा परिस्थितियों के पीछे है। उनसे छुटकारा पाने का पहला कदम है कि हम पहले उनकी उपस्थिति तथा गतिविधियों के बारे में अवगत हो जाए।

अपने आप को पूर्ण रीति से प्रभु के हवाले कर दो और उनसे सामर्थ प्राप्त करो। प्रभु से मांगो कि वह आपकी आत्मिक इंद्रियों को खोल दे और शत्रु क्या चाल चल रहा है, यह दिखाएं।

जैसे जैसे प्रभु इन दुष्टात्माओं को उघाड़ते जाते हैं, आप उनको अपने से दूर भगाएं। उनसे कहें, "यीशु का लहू तेरे खिलाफ है। यीशु के नाम से मैं तुझको आज्ञा देता हूं कि अपनी हार मान ले। यीशु मसीह के सामर्थी नाम में अब बाहर निकल आ।" निडर और जिद्दी बने रहे। एक विश्वासी के नाते प्रभु यीशु मसीह ने हर विश्वासी को जो अधिकार दिया है, उसके कारण हर दुष्टात्मा को निकलना ही होगा।

पवित्र वचन

और विश्वास करनेवालों में ये चिन्ह होंगे कि वे मेरे नाम से दुष्टात्माओं को निकालेंगे। (मरकूस 16:17)

26
परमेश्वर के सच्चे अनुग्रह में स्थापित हो

परमेश्वर का अनुग्रह, नियमों का पालन न करने का कोई लायसेंस नहीं है; वास्तव में परमेश्वर का सच्चा अनुग्रह हमें पापों पर नियंत्रण प्रदान करता है। अनुग्रह, एक ईश्वरीय प्रभाव है जो हमारी आंखें खोल देता है और हमें अंधकार से उजाले की ओर, पाप से धार्मिकता की ओर तथा शैतान की ताकतों से परमेश्वर की ओर ले आता है।

परमेश्वर और मनुष्य के बीच साझेदारी के कारण उद्धार प्राप्त किया जाता है। प्रभु हम में कार्य करते हैं, तथा उनकी इच्छा का पूरा करने की चाह उत्पन्न करता है और हमें सामर्थ देता है। परन्तु हमें भय के साथ तथा कांपते हुए अपने उद्धार को स्वयं प्राप्त करना होता है।

उद्धार पाने के लिए बाइबिल का नुस्खा ये है "परमेश्वर की ओर मन फिराना, और प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करना।" (प्रेरित. 20:21) परमेश्वर की दृढ़ नींव है, "और जो कोई प्रभु का नाम लेता है, वह अधर्म से बचा रहे।" (2 तीमुथि. 2:19)

कोई भी "अनुग्रह" का संदेश जो अभक्ति को "ना" कहना नहीं सिखाता, तथा सच्ची पवित्रता एवं आज्ञाकारिता में जीवन बिताना नहीं सिखाता, वह संदेश नरक के गर्त से निकला हुआ झूठा संदेश है।

भेड़ों की खाल में छिपे हुए भेड़ियों को आपसे धोखा करने की अनुमति न दो। यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप परमेश्वर के सच्चे अनुग्रह में अपने आप को स्थापित करे।

पवित्र वचन

योंकि परमेश्वर का अनुग्रह प्रगट है, जो सब मनुष्यों के उद्धार का कारण है। और हमें चिताता है, कि हम अभक्ति और सांसारिक अभिलाषाओं से मन फेरकर इस युग में संयम और धर्म और भक्ति से जीवन बिताएं। (तीतुस 2:11—12)

27
झूठे अगुवों से बच कर रहो

आज दुनिया में सबसे घातक चीज़ अकाल, प्राकृतिक विपदा, यहां तक कि आतंकवाद भी नहीं है। यह बातें तो अपने आप में भयानक है ही, परन्तु "बाइबिल के संदेश को तोड़ मरोड़ पर पेश करना" जो लोगों को अज्ञानता एवं पाप में जकड़े रखता है, इससे भयानक और कोई चीज़ नहीं है।

ऐसे बहुत से "मृत लोग" है, जिन्होंने कलीसियाओं में प्रवेश पा लिया है और जो ऊंचे ओहदों पर जाकर बैठ गए हैं - इन दुष्ट अगुवों के पास परमेश्वर की सामर्थ नहीं है, न ही परमेश्वर की ओर से बाइबिल का प्राप्त ज्ञान। अतः वे तोड़ मरोड़ कर तथा परमेश्वर के संदेश को अपनी दुष्टता तथा अपनी कमजोरियों को सही ठहराने के लिए सामर्थहीन बनाकर प्रस्तुत करते हैं।

वे अपने झूठ के द्वारा लोगों की चापलूसी करते हैं, तथा लोगों में लोकप्रियता हासिल करने के लिए, वे जो सुनना पसंद करते हैं, वही कहते हैं ताकि उन्हें लोगों से पैसा और समर्थन प्राप्त हो सके।

सामान्यतः लोगों को "अच्छा महसूस" करानेवाला संदेश सुनने को अच्छा लगता है, क्योंकि ऐसा संदेश उनकी गलतियों, बुरे कामों को उजागर नहीं करता, न ही वह उन्हें उनके पापों को त्यागने तथा प्रभु यीशु मसीह की आज्ञाओं का पालन करने के लिए कहता है।

प्रभु यीशु ने हमें चिताया है: बहुत से झूठे संदेश देनेवाले उठ खड़े होंगे और बहुत से लोगों को भरमाएंगे। प्रभु ने जिस बात की भविष्यद्वाणी की थी, क्या आप आज ऐसे कुछ झूठे मसीही अगुवों की पहचान कर सकते हो?

पवित्र वचन

और बहुत से झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे, और बहुतों को भरमाएंगे। (मत्ती 24:11)

यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, कि तुम पवित्र शास्त्र और परमेश्वर की सामर्थ नहीं जानते; इस कारण भूल में पड़ गए हो। (मत्ती 22:29)

28
परमेश्वर को खुद ही जानो

प्रभु के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित करने का केवल एक ही मार्ग है कि हम उनके साथ अधिक से अधिक समय बिताएं। आपको केवल प्रार्थना, गीत गाना और बाइबिल पढ़ने से ज्यादा और भी कुछ करने की जरूरत है। आपको प्रभु की इच्छा करना है और अपने संपूर्ण हृदय से उनकी खोज करना है।

इस बात को प्राथमिकता दो कि नियमित रुप से आप प्रभु के साथ एकांत में समय बिताओ; अपने आप को उन्हें नौछावर कर दो और अपना सब कुछ उन्हें समर्पित कर दो। जब आप लगातार प्रभु के प्रति अपनी भूख दर्शाओगे, तो वे अपने आप को आप पर प्रगट करेंगे।

मुझे बहुत दुख होता है जब मैं किसी कलीसियाओं में उपदेश देता हूं और वहां के लोग जल्दी घर जाने के लिए इतने उतावले होते हैं कि वे परमेश्वर को अपने आप को आत्मा के फलों के माध्यम से लोगों पर प्रगट होने के लिए जितना समय चाहिए, उतना समय ही नहीं देतें।

जो लोग सचमुच परमेश्वर को जानना चाहते हैं, उन्हें केवल एक बाइबिल का पाठ या एक प्रेरणादायक संदेश से कहीं ज्यादा की जरूरत होती है। उनका परमेश्वर की सामर्थ से सामना होना जरूरी है तथा परमेश्वर के "आज के वचन" का अनुभव लेना जरूरी है।

कुछ कलीसियाएं ऐसे लोगों से भरी पड़ी है, जिनके मन में परमेश्वर को जानने के लिए भूख है, लेकिन वहां अगुवों में ही अंतर्दृष्टि की कमी देखी गई है। वे अपने तय कार्यक्रम के चलते पवित्र आत्मा को बहने से रोकते हैं और अपने ही ढंग से कार्य करते हैं।

आप केवल अपने "धार्मिक परम्पराओं" के अनुसार ही चलकर परमेश्वर को जानने की अपेक्षा नहीं कर सकते। परमेश्वर अपने आप को ऐसे लोगों पर प्रगट करते हैं, जो उनके साथ एक आज्ञाकारी वाचा की सहभागिता रखने के लिए तैयार है।

पवित्र वचन

और जो दुष्ट होकर उस वाचा को तोड़ेंगे, उनको वह चिकनी-चुपड़ी बातें कह कहकर भक्तिहीन कर देगा; परन्तु जो लोग अपने परमेश्वर का ज्ञान रखेंगे, वह हियाव बान्धकर बड़े काम करेंगे। (दानीएल 11:32)

29
पवित्र जीवन जीओ, क्योंकि प्रभु पवित्र है

मानवजाति उलझन में हैं, तथा कामुकता, लालच, और डींग मारने वाले घमंड की घातक दौड़ में जकड़ी हुई है। लैंगिकता, विवाह, परिवार, सफलता, इत्यादि के संबंध में इस संसार के भ्रष्ट मूल्य, और स्तर, सीधे तौर पर मसीह तथा उनके धर्म की शिक्षा के बिल्कुल विपरीत है।

विवाह से बाहर किसी पुरुष और स्त्री का शारीरिक संबंध होना परमेश्वर द्वारा दण्डनीय है। इसमें "लैंगिकता को लेकर असमंजस भरा आचरण" जिसमें पशुओं, वस्तुओं, पिशाचों, तथा समान लिंग के साथ लैंगिक संबंध शामिल है। इसमें विवाह से पहले या विवाह से बाहर लैंगिक संबंध होना भी शामिल है, साथ ही अश्लील फिल्में देखना, काल्पनिक शारीरिक संबंध, हस्तमैथून, इत्यादि भी है।

बाइबिल कहती है कि जो लोग बाड़े को तोड़ते है, उन्हें सांप जरूर कांटता है। परमेश्वर द्वारा तय की हुई सीमाओं को लांघने के गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

जब आप और मैं, परमेश्वर की दया से, पवित्रता में जीना चाहते हैं, तब हम अंध ाकार की ताकतों के बस में नहीं रहते। शैतान हम पर अपना नियंत्रण खो देता है क्योंकि हम प्रभु द्वारा "खरीद लिये गए है और अलग किए गए है।"

हमें संसार की दुषित गंदगी में नहीं, बल्कि प्रभु की पवित्रता की सुन्दरता में उनकी सेवा करना है। प्रभु किसी व्यभिचार में लिप्त कलीसिया के लिए वापस नहीं आ रहें, परन्तु वे अपनी पवित्र पत्नी के लिए वापस आ रहे हैं।

पवित्र वचन

सब से मेल मिलाप रखने, और उस पवित्रता के खोजी हो जिस के बिना कोई प्रभु को कदापि न देखेगा। (इब्रानियों 12:14)

क्योंकि लिखा है, कि पवित्र बनो, क्योंकि मैं पवित्र हूं। (1 पतरस 1:16)

30
आत्मा और सच्चाई से प्रभु की आराधना करो

शत्रु चाहता है कि कोई उसकी आराधना करें, मनुष्य चाहता है कि कोई उसकी आराधना करे; लेकिन केवल परमेश्वर ही आराधना के योग्य है। यीशु ने कहा, "लिखा है; कि तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर; और केवल उसी की उपासना कर" (लूका 4:8) सभी स्वर्गदूत तथा पवित्र लोग उन्हीं की आराधना करते हैं और केवल वे ही इसके योग्य हैं।

सूरज के उगने से लेकर तो दिन ढलने तक, परमेश्वर आराधना के योग्य है; सारी सृष्टि प्रभु की आराधना करती है। प्रभु का यहां निवास है - वे अपने लोगों की स्तुति प्रशंसा में आते हैं तथा निवास करते हैं।

न केवल परमेश्वर हमारी आराधना में आकर रहता करता है, परन्तु, वे हमारी आराधना में तथा उसके द्वारा शासन करते हैं। वे हमारे शत्रुओं के साथ संघर्ष करते हैं, तथा ऐसा कुछ भी जो परमेश्वर के हिसाब से नहीं है, उसे जाना होता है।

हम केवल आराधना की परम्पराओं का पालन नहीं कर सकते; वास्तव में हमारा एक एहसानमन्द तथा धन्यवादी हृदय होना चाहिए। हमें प्रभु की आराधना केवल अपने मुंह से नहीं परन्तु संपूर्ण हृदय से करने की जरूरत है।

जब हम प्रभु में नाचने और गाने लगते हैं, तथा अपना जीवन उनके सामने बिछा देते हैं, तब हम अपने आप को भूल जाते हैं, और हमारा सामना प्रभु से होता है। जब हम आराधना के माध्यम से परमेश्वर का अनुभव लेते हैं, तब हमारा जीवन बदल जाता है और हमारा बोझ नष्ट कर दिया जाता है।

जिस परमेश्वर की मैं आराधना करता हूं, वह इस समस्त सृष्टि का बनानेवाला है। वह राष्ट्रों को अपनी हथेलियों के धरता है, और ऐसा कोई भी कठिन काम नहीं जो वे नहीं कर सकते।

पवित्र वचन

परन्तु वह समय आता है, बरन अब भी है जिस में सच्चे भक्त पिता का भजन आत्मा और सच्चाई से करेंगे, क्योंकि पिता अपने लिये ऐसे भजन करनेवालों को ढूंढ़ता है। (यूहन्ना 4:23)

31
प्रभु से, स्वयं से तथा दूसरों से प्रेम करें

परमेश्वर का प्रेम, मनुष्य की समझ से परे है। परमेश्वर हमसे कितना प्रेम करते हैं, इसकी केवल एक ही झलक, आपके जीवन को हमेशा के लिए बदल देगी। उनका प्रेम हमारे हृदयों का पिघला देता है, और हमारे जीवन का पुनःनिर्माण करता है।

मैं आपके बारे में नहीं जानता, परन्तु मेरे जीवन में ऐसे कई अवसर आए, जब मैं प्रेम करने लायक नहीं था, फिर भी परमेश्वर मुझसे प्रेम करते रहे। उन्होंने मेरे पापों को क्षमा नहीं किया, परन्तु उन्होंने मुझे अपने पास खींच लिया और उन पर विजय पाने में मेरी सहायता की।

मसीहत, मनुष्य और परमेश्वर के बीच एक प्रेम संबंध है। जब हम सचमुच परमेश्वर के अलौकिक सहनशीलता तथा दया का अनुभव करते हैं, वह हमें उनसे प्रेम करने के लिए बाध्य करता है तथा हमारे जीवन के प्रत्येक दिन हम उन्हें खुश करना चाहत हैं।

परमेश्वर का प्रेम हमें लोगों के प्रति अनुकम्पा रखने के लिए बाध्य करता है। हम उन्हें अपनी प्रार्थनाओं में याद करते हैं, तथा प्रभु के साथ उनकी सहभागिता स्थापित हो जाए इसके लिए अवसर की तलाश में रहते हैं।

सच्चा प्रेम कभी पापों को क्षमा नहीं करता, क्योंकि पाप ही है जो लोगों को परमेश्वर से अलग करता है, वर्तमान समय में तथा अनंतकाल के लिए। जरा देखिए कि उस व्यभिचारिणी स्त्री के साथ प्रभु यीशु ने किस प्रकार बरताव किया। उन्होंने कहा, “मैं तुम्हें दण्ड नहीं देता। जाओं लेकिन अब कभी पाप न करना।”

यदि हम सचमुच लोगों से प्रेम रखते हैं, तब हमें उन्हें सच्चाई को प्रेम में बताना ही है।

पवित्र वचन

मैं तुझ से सद प्रेम रखता आया हूं; इस कारण मैं ने तुझ पर अपनी करुणा बनाए रखी है। हे इस्राएली कुमारी कन्या! मैं तुझे फिर बसाऊंबा; (यिर्मयाह 31:3ब – 4अ)

भाग दूसरा:
अध्ययन के लिए बाइबिल के वचन

ये लोग तो थिस्सलुनीके के यहूदियों से भले थे और उन्होंने बड़ी लालसा से वचन ग्रहण किया, और प्रति दिन पवित्र शास्त्रों में ढूंढ़ते रहे कि ये बातें योंही हैं, कि नहीं। सो उन में से बहुतों ने, और यूनानी कुलीन स्त्रियों में से, और पुरुषों में से बहुतेरों ने विश्वास किया। (प्रेरित. 17:11–12)

1

प्रभु के दर्शन का आज्ञापालन करो

जहां दर्शन की बात नहीं होती, वहां लोग निरंकुश हो जाते हैं, और जो व्यवस्था को मानता है, वह धन्य है। (नीतिवचन 29:18)

यहोवा ने मुझ से कहा, दर्शन की बातें लिख दे; वरन पटियाओं पर साफ साफ लिख दे कि दौड़ते हुए भी वे सहज से पढ़ी जाएं। (हबक्कुक 2:2)

और उसने उसको बाहर ले जाकर कहा, आकाश की ओर दृष्टि करके तारागण को गिन, क्या तू उनको गिन सकता है? पर उसने उस से कहा, तेरा वंश ऐसा ही होगी। उस ने यहोवा पर विश्वास किया; और यहोवा ने इस बात को उसके लेखे में धर्म गिना। (उत्पत्ति 15:5–6)

2

परमेश्वर को अधिक जानने की भूख रखो

हे परमेश्वर, तू मेरा ईश्वर है, मैं तुझे यत्न से ढूंढूंगा; सूखी और निर्जल ऊसर भूमि पर, तेरा मन तेरा प्यासा है, मेरा शरीर तेरा अति अभिलाषी है। इस प्रकार से मैं ने पवित्र स्थान में तुझ पर दृष्टि की, कि तेरी सामर्थ्य और महिमा को देखूं। क्योंकि तेरी करूणा जीवन से भी उत्तम है मैं तेरी प्रशंसा करूंगा। इसी प्रकार मैं जीवन भर तुझे धन्य कहता रहूंगा; और तेरा नाम लेकर अपने हाथ उठाऊंगा। मेरा जीव मानों चर्बी और चिकने भोजन से तृप्त होगा, और मैं जयजयकार करके तेरी स्तुति करूंगा। जब मैं बिछौने पर पड़ा तेरा स्मरण करूंगा, तब रात के एक एक पहर में तुझ पर ध्यान करूंगा; क्योंकि तू मेरा सहायक बना है, इसलिये मैं तेरे पंखों की छाया में जयजयकार करूंगा। मेरा मन तेरे पीछे पीछे लगा चलता है; और मुझे तो तू अपने दहिने हाथ से थामे रखता है। (भजन. 63:1–8)

3
प्रार्थना में बने रहो

क्योंकि जो कोई मांगता है, उसे मिलता है; और जो ढूंढ़ता है, वह पाता है; और जो खटखटाता है, उसके लिये खोला जाएगा। (मत्ती 7:8)

यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरी बातें तुम में बनी रहें, तो जो चाहो मांगो और वह तुम्हारे लिये हो जाएगा। (यूहन्ना 15:7)

तब यदि मेरी प्रजा के लोग जो मेरे कहलाते हैं, दीन होकर प्रार्थना करें और मेरे दर्शन के खोजी होकर अपनी बुरी चाल से फिरें, तो मैं स्वर्ग में से सुनकर उनका पाप क्षमा करूंगा और उनके देश को ज्यों का त्यों कर दूंगा। (2 इतिहास 7:14)

4
पहचानना सीखो

परन्तु शारीरिक मनुष्य परमेश्वर के आत्मा की बातें ग्रहण नहीं करता, क्योंकि वे उस की दृष्टि में मूर्खता की बातें हैं, और न वह उन्हें जान सकता है क्योंकि उन की जांच आत्मिक रीति से होती है। आत्मिक जन सब कुछ जांचता है, परन्तु वह आप किसी से जांचा नहीं जाता। क्योंकि प्रभु का मन किस ने जाना है, कि उसे सिखलाए? परन्तु हम में मसीह का मन है। (1 कुरिन्थ. 2:14–16)

क्योंकि उस से पहिले कि वह लड़का बुरे को त्यागना और भले को ग्रहण करना जाने, वह देश जिसके दोनों राजाओं से तू घबरा रहा है, निर्जन हो जाएगा। (यशायाह 7:16)

तब तुम फिरकर धर्मी और दुष्ट का भेद, अर्थात् जो परमेश्वर की सेवा करता है, और जा उसकी सेवा नहीं करता, उन दोनों का भेद पहिचान सकोगे। (मलाकी 3:18)

5

प्रभु में उपवास रखो

जिस उपवास से मैं प्रसन्न होता हूं, वह क्या यह नहीं, कि, अन्याय से बनाए हुए दासों, और सहनेवालों का जुआ तोड़कर उनको छुड़ा लेना, और सब जुओं को टूकड़े टूकड़े कर देनाा? क्या वह यह नहीं है कि अपनी रोटी भूखों को बांट देना, अनाथ और मारे मारे फिरते हुओं को अपने घर ले आना, किसी को नंगा देखकर वस्त्र पहिनाना, और अपने जातिभाइयों से अपने को न छिपाना? तब तेरा प्रकाश पौ फटने की नाई चमकेगा, और तू शीघ्र चंगा हो जाएगा; तेरा धर्म तेरे आगे आगे चलेगा, यहोवा का तेज तेरे पीछे रक्षा करते चलेगा। तब तू पुकारेगा और यहोवा उत्तर देगा; तू दोहाई देगा और वह कहेगा, मैं यहां हूं। यदि तू अन्धेर करना और उंगली मटकाना, और दुष्ट बातें बोलना छोड़ दे, उदारता से भूखे की सहायता करे और दीन दुःखियों को सन्तुष्ट करे, तब अन्धि यारे में तेरा प्रकाश चमकेगा, और तेरा घोर अन्धकार दोपहर का सा उजियाला हो जाएगा। (यशायाह 58:6—10)

6

ईश्वरीय चंगाई कार्यान्वित करो

पीछे वह उन ग्यारहों को भी, जब वे भोजन करने बैठे थे दिखाई दिया, और उन के अविश्वास और मन की कठोरता पर उलाहना दिया, क्योंकि जिन्हों ने उसके जी उठने के बाद उसे देखा था, इन्होंने उन की प्रतीति न की थी। और उस ने उन से कहा, तुम सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि के लोगों को सुसमाचार प्रचार करो। जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले उसी का उद्धार होगा, परन्तु जो विश्वास न करेगा वह दोषी ठहराया जाएगा। और विश्वास करनेवालों में ये चिन्ह होंगे कि वे मेरे नाम से दुष्टात्माओं को निकालेंगे। नई नई भाषा बोलेंगे, सांपों को उठा लेंगे, और यदि वे नाशक वस्तु भी पी जाएं तौभी उनकी हानि न होगा, वे बीमार पर हाथ रखेंगे, और वे चंगे हो जाएंगे। (मरकूस 16:14—18)

7

परमेश्वर के अधीन हो जाओ और शैतान का सामना करो

वह तो औ भी अनुग्रह देता है; इस कारण यह लिखा है, कि परमेश्वर अभिमानियों से विरोध करता है, पर दीनों पर अनुग्रह करता है। इसलिये परमेश्वर के आधीन हो जाओ; और शैतान का सामना करो, तो वह तुम्हारे पास से भाग निकलेगा। (याकूब 4:6—7)

इस कारण परमेश्वर ने उसका अति महान भी किया, और उसको वह नाम दिया जो सब नामों में श्रेष्ठ है। कि जो स्वर्ग में और पृथ्वी पर और जो पृथ्वी के नीचे है; वे सब यीशु के नाम पर घुटना टेकें। और परमेश्वर पिता की महिमा के लिये हर एक जीभ अंगीकार कर ले कि यीशु मसीह ही प्रभु है। (फिलिप्पियो. 2:9—11)

8

अत्याचार सहो

इसलिये परमेश्वर की बुद्धि ने भी कहा है, कि मैं उन के पास भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों को भेजूंगीः और वे उन में से कितनों को मार डालेंगे, और कितनों को सताएंगे। (लूका 11:49)

जो बात मैं ने तुम से कही थी, कि दास अपने स्वामी से बड़ा नहीं होता, उसको याद रखोः यदि उन्होंने मुझे सताया, तो तुम्हें भी सताएंगे; यदि उन्होंने मेरी बात मानी, तो तुम्हारी भी मानेंगे। (यूहन्ना 15:20)

और वैसे ही जो पत्थरीली भूमि पर बोए जाते हैं, ये वे हैं, कि जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते हैं। परन्तु अपने भीतर जड़ न रखने के कारण वे थोड़े ही दिनों के लिये रहते हैं; इस के बाद जब वचन के कारण उन पर क्लेश या उपद्रव होता है, तो वे तुरन्त ठोकर खाते हैं। (मरकूस 4:16—17)

9

परमेश्वर के वचन का आदर करो तथा उसका पालन करो

उस ने उत्तर दिया; कि लिखा है कि मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है, जीवित रहेगा। (मत्ती 4:5)

और बालकपन से पवित्र शास्त्र तेरा जाना हुआ है, जो तुझे मसीह पर विश्वास करने से उद्धार प्राप्त करने के लिये बुद्धिमान बना सकता है। हर एक पवित्र शास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया हे और उपदेश, और समझाने, और सुधारने, और धर्म की शिक्षा के लिये लाभदायक है। ताकि परमेश्वर का जन सिद्ध बने, और हर एक भले काम के लिये तत्पर हो जाए। (2 तीमुथि. 3:15—17)

10

बंधन मुक्त हो जाओ

और तू अपनी तलवार के बल से जीवित रहे, औ अपने भाई के अधीन तो होए, पर जब तू स्वाधीन हो जाएगा, तब उसके जूए को अपने कन्धे पर से तोड़ फेंके। (उत्पत्ति 27:40)

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के दिनों से अब तक स्वर्ग के राज्य पर जोर होता रहा है, और बलवान उसे छीन लेते हैं। (मत्ती 11:12)

उस समय ऐसा होगा कि उसका बोझ तेरे कंधे पर से और उसका जूआ तेरी गर्दन पर से उठा लिया जाएगा, और अभिषेक के कारण वह जूआ तोड़ डाला जाएगा। (यशायाह 10:27)

11

विश्वास के द्वारा जीवित रहो

देख, उसका मन फूला हुआ है, उसका मन सीधा नहीं है; परन्तु धर्मी अपने विश्वास के द्वारा जीवित रहेगा। (हबक्कूक 2:4)

सो विश्वास सुनने से, और सुनना मसीह के वचन से होता है। (रोमियो 10:17)

मेरी भेड़ें मेरा शब्द सुनती हैं, और मैं उन्हें जानता हूं, और वे मेरे पीछे पीछे चलती है। (यूहन्ना 10:27)

क्योंकि हम रुप को देखकर नहीं, पर विश्वास से चलते हैं। (2 कुरिन्थ. 5:7)

12

आनन्दित रहो

और दाऊद सनी का एपोद कमर में कसे हुए यहोवा के सम्मुख तन मन से नाचता रहा। यों दाऊद और इस्राएल का समस्त घराना यहोवा के सन्दूक को जय जयकार करते और नरसिंगा फूंकते हुए ले चला। (2 शमूएल 6:14—15)

तू मुझे जीवन का रास्ता दिखाएगा; तेरे निकट आनन्द की भरपरी है, तेरे दहिने हाथ में सुख सर्वदा बना रहता है। (भजन. 16:11)

अपने किए हुए उद्धार का हर्ष मुझे फिर से दे, और उदार आत्मा देकर मुझे सम्भाल। (भजन. 51:12)

मैं ने ये बातें तुम से इसलिये कही है, कि तुम्हें मुझ में शान्ति मिले; संसार में तुम्हें क्लेश होता है, परन्तु ढाढ़स बांधो, मैं ने संसार को जीत लिया है। (यूहन्ना 16:33)

प्रभु में सदा आनन्दित रहो; मैं फिर कहता हूं, आनन्दित रहो। (फिलिप्पियों. 4:4)

13

पवित्र आत्मा प्राप्त करो

परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ पाओगे; और यरूशलेम और सारे यहूदिया और सामरिया में, और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होगे। (प्रेरित 1:8)

मैं अपने परमेश्वर का धन्यवाद करता हूं, कि मैं तुम सब से अधिक अन्यान्य भाषा में बोलता हूं। (1 कुरिन्थ. 14:18)

पर हे प्रियों तुम अपने अति पवित्र विश्वास में अपनी उन्नति करते हुए और पवित्र आत्मा में प्रार्थना करते हुए। (यहूदा 1:20)

14

भविष्यद्वाणी करने में सक्षम बनो

परन्तु यदि सब भविष्यद्वाणी करने लगें, और कोई अविश्वासी या अनपढ़ा मनुष्य भीतर आ जाए, तो सब उसे दोषी ठहरा देंगे और परख लेंगे। और उसके मन के भेद प्रगट हो जाएंगे, और तब वह मुंह के बल गिरकर परमेश्वर को दण्डवत करेगा, और मान लेगा, कि सचमुच परमेश्वर तुम्हारे बीच में हैं।(1 कुरिन्थ. 14:24–25)

तब यहोवा ने हाथ बढ़ाकर मेरे मुंह को छुआ; और यहोवा ने मुझ से कहा, देख, मैं ने अपने वचन तेरे मुंह में डाल दिये हैं। सुन, मैं ने आज के दिन तुझे जातियों और राज्यों पर अधिकारी ठहराया है; उन्हें गिराने और ढा देने के लिये, नाश करने और काट डालेनके लिये, या उन्हें बनाने और रोपने के लिये। (यिर्मयाह 1:9–10)

15

अपने मित्र बुद्धिमानी से चुनो

धर्मी अपने पड़ोसी की अगुवाई करता है, परन्तु दुष्ट लोग अपनी ही चाल के कारण भटक जाते हैं। (नीतिवचन 12:26)

मित्रों के बढ़ाने से तो नाश होता है, परन्तु ऐसा मित्र होता है, जो भाई से भी अधिक मिला रहता है। (नीतिवचन 18:24)

जैसे लोहा लोहे को चमका देता है, वैसे ही मनुष्य का मुख अपने मित्र की संगति से चमकदार हो जाता है। (नीतिवचन 27:17)

और तुम्हारे माता पिता और भाई और कुटुम्ब, और मित्र भी तुम्हें पकड़वाएंगे; यहां तक कि तुम में से कितनों को मरवा डालेंगे। (लूका 21:16)

जो कुछ मैं तुम्हें आज्ञा देता हूं, यदि उसे करो, तो तुम मेरे मित्र हो। (यूहन्ना 15:14)

16

आग का बपतिस्मा लो

क्योंकि हमारा परमेश्वर भस्म करनेवाली आग है। (इब्रानियो. 12:29)

परन्तु उसके आने के दिन की कौन कह सकेगा? और जब वह दिखाई दे, तब कौन खड़ा रह सकेगा? क्योंकि वह सोनार की आग और धोबी के साबुन के समान है। (मलाकी 3:2)

जब पिन्तेकुस का दिन आया, तो वे सब एक जगह इकट्ठे थे। और एकाएक आकाश से बड़ी आंधी की सी सनसनाहट का शब्द हुआ, और उस से सारा घर जहां वे बैठे थे, गूंज गया। और उन्हें आग की सी जीभें फटती हुई दिखाई दीं; और उन में से हर एक पर आ ठहरीं। और वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और जिस प्रकार आत्मा ने उन्हें बोलने की सामर्थ दी, वे अन्य अन्य भाषा बोलने लगे। (प्रेरित. 2:1–4)

17

क्षमा करो और क्षमा प्राप्त करो

तब पतरस ने पास आकर, उस से कहा, हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं कितनी बार उसे क्षमा करूं, क्या सात बार तक? यीशु ने उस से कहा, मैं तुझ से यह नहीं कहता, कि सात बार, बरन सात बार के सत्तर गुने तक। (मत्ती 18:21–22)

सुनो, यहोवा का हाथ ऐसा छोटा नहीं हो गया कि उद्धार न कर सके, न वह ऐसा बहिरा हो गया है कि सुन न सके; क्योंकि तुम्हारे हाथ हत्या से और तुम्हारी अंगुलियां अधर्म के कर्मों से अपवित्र हो गई है; तुम्हारे मुंह से तो झूठ और तुम्हारी जीभ से कुटिल बातें निकलती हैं।(यशायाह 59:1–2)

जो अपने अपराध छिपा रखता है, उसका कार्य सुफल नहीं होता, परन्तु जो उनको मान लेता और छोड़ भी देता है, उस पर दया की जायेगी। (नीतिवचन 28:13)

18

अपना समय और अवसर बुद्धिमानी से खर्च करो

इसलिये ध्यान से देखो, कि कैसी चाल चलते हो; निबुद्धियों की नाई नहीं पर बुद्धिमानों की नाई चलो। और अवसर को बहुमोल समझो, क्योंकि दिन बुरे हैं। इस कारण निर्बुद्धि न हो, पर ध्यान से समझो, कि प्रभु की इच्छा क्या है? (इफिसियो 5:15–17)

फिर उस ने रोटी ली, और धन्यवाद करके तोड़ी, और उन को यह कहते हुए दी, कि यह मेरी देह है, जो तुम्हारे लिये दी जाती है: मेरे स्मरण के लिये यही किया करो। इसी रीति से उस ने बियारी के बाद कटोरी मेरे उस लहू में जो तुम्हारे लिये बहाया जाता है नई वाचा है। पर देखो, मेरे पकड़नेवाले का हाथ मेरे साथ मेज पर है। (लूका २2:19–21)

19

सही सहभागिता चुनो

जब लोगों ने मुझ से कहा, कि हम यहोवा के भवन को चलें, तब मैं आनन्दित हुआ। (भजन. 122:1)

क्योंकि तेरे आंगनों में का एक दिन और कहीं के हजार दिन से उत्तम है। दुष्टों के डेरों में वास करने से अपने परमेश्वर के भवन की डेवढ़ी पर खड़ा रहना ही मुझे अधिक भावता है। (भजन. 84:10)

और वे प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने में और रोटी तोड़न में और प्रार्थना करने में लौलीन रहे। (प्रेरित. 2:42)

और उस ने कितनों को भविष्यद्वक्ता नियुक्त करके, और कितनों को सुसमाचार सुनानेवाले नियुक्त करके, और कितनों को रखवाले और उपदेशक नियुक्त करके दे दिया। जिस से पवित्र लोग सिद्ध हा जाएं, और सेवा का काम किया जाए, और मसीह की देह उन्नति पाए। (इफिसियों. 4:11—12)

पौलुस की ओर से जो मसीह यीशु का कैदी है, और भाई तिमुथियुस की ओर से हमारे प्रिय सहकर्मी फिलेमोन। और बहिन अफफिया, और हमारे साथी योद्धा अरखिप्पुस और फिलेमोन के घर की कलीसिया के नाम।(फिलेमोन 1:1—2)

और जो जो बातें तुम्हारे लाभ की थीं, उन को बताने और लोगों के साम्हने और घर घर सिखाने से कभी न झिझका। बरन यहूदियों और यूनानियों के साम्हने गवाही देता रहा, कि परमेश्वर की ओर मन फिराना, और हमारे प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करना चाहिए। (प्रेरित. 20:20—21)

20

यीशु मसीह के लहू के अधीन रहो

हम को उस में उसके लोहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात् अपराधों की क्षमा, उसके उस अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है। (इफिसियों 1:7)

और जिन घरों में तुम रहोगे उन पर वह लोहू तुम्हारे निमित्त चिन्ह ठहरेगा; अर्थात् मैं उस लोहू को देखकर तुम को छोड़ जाऊंगा, और जब मैं मिस्र देश के लोगों को मारूंगा, तब वह विपत्ति तुम पर न पड़ेगी और तुम नाश न होंगे। (निर्गमन 12:13)

और वे मेम्ने के लोहू के कारण, और अपनी गवाही के वचन के कारण, उस पर जयवन्त हुए, और उन्होंने अपने प्राणों का प्रिय न जाना, यहां तक कि मृत्यु भी सह ली। (प्रकाशित. 12:11)

पर अब तो मसीह यीशु में तुम जो पहिले दूर थे, मसीह के लोहू के द्वारा निकट हो गए हो। (इफिसियों. 2:13)

21

आशीष पाओ तथा आशीष का कारण बनो

क्योंकि यहोवा परमेश्वर सूर्य और ढाल है; यहोवा अनुग्रह करेगा, और महिमा देगा; और जो लोग खरी चाल चलते हैं; उन से वह कोई अच्छा पदार्थ रख न छोड़ेगा। (भजन. 84:11)

और मैं तुझ से एक बड़ी जाति बनाऊंगा, और तुझे आशीष दूंगा, और तेरा नाम बड़ा करूंगा, और तू आशीष का मूल होगा। (उत्पत्ति 12:2)

दिया करो, तो तुम्हें भी दिया जाएगा: लोग पूरा नाप दबा दबाकर और हिला हिलाकर और उभरता हुआ तुम्हारी गोद में डालेंगे, क्योंकि जिस नाम से तुम नापते हो, उसी से तुम्हारे लिये भी नापा जाएगा। (लूका 6:38)

22

यीशु मसीह के गवाह बनो

धर्मी का प्रतिफल जीवन का वृक्ष होता है, और बुद्धिमान मनुष्य लोगों के मन को मोह लेता है। (नीतिवचन 11:30)

और जब वह नाव पर चढ़ने लगा, तो वह जिस में पहिले दुष्टात्माएं थीं, उस से बिनती करने लगा, कि मुझे अपने साथ रहने दे। परन्तु उस ने उसे आज्ञा न दी, और उस से कहा, अपने घर जाकर अपने लोगों को बता, कि तुझ पर दया करके प्रभु ने तेरे लिये बड़े काम किए हैं। वह जाकर दिकपुलिस में इस बात का प्रचार करने लगा, कि यीशु ने मेरे लिये कैसे बड़े काम किए; और सब अचम्भा करते थे। (मरकूस 5:18–20)

सच्चा साक्षी बहुतों के प्राण बचाता है, परन्तु जो झूठी बातें उड़ाया करता है उस से धोखा ही होता है। (नीतिवचन 14:25)

23

जब आप पाप में गिरते हो, तब फिर उठ खड़े हो

क्योंकि धर्मी चाहे सात बार गिरे तौभी उठ खड़ा होता है; परन्तु दुष्ट लोग विपत्ति में गिरकर पड़े ही रहते हैं। (नीतिवचन 24:16)

मनुष्य की गति यहोवा की ओर से दृढ़ होती है, और उसके चलन से वह प्रसन्न रहता है; चाहे वह गिरे तौभी पड़ा न रह जाएगा, क्योंकि यहोवा उसका हाथ थामें रहता है। (भजन. 37:23–24)

तरूण तो थकते और श्रमित हो जाते हैं, और जवान ठोकर खाकर गिरते हैं; परन्तु जो यहोवा की बाट जोहते हैं, वे नया बल प्राप्त करते जाएंगे, वे उकाबों की नाई उड़ेंगे, वे दौड़ेंगे और श्रमित न होंगे, चलेंगे और थकित न होंगे। (यशायाह 40:30–31)

24

निश्चित करें कि आपका नाम, जीवन की पुस्तक में है

तौभी इस से आनन्दित मत हो, कि आत्मा तुम्हारे वश में हैं, परन्तु इस से आनन्दित हो कि तुम्हारे नाम स्वर्ग पर लिखे हैं। (लूका 10:20)

जो मुझ से, हे प्रभु, हे प्रभु कहता है, उन में से हर एक स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करेगा, परन्तु वही जो मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छा पर चलता है। उस दिन बहुतेरे मुझ से कहेंगे; हे प्रभु, क्या हम ने तेरे नाम से भविष्यद्वाणी नहीं की, और तेरे नाम से दुष्टात्माओं को नहीं निकाला, और तेरे नाम से बहुत अचम्भे के काम नहीं किए? तब मैं उन से खुलकर कह दूंगा कि मैं तुम को नहीं जाना, हे कुकर्म करनेवालों, मेरे पास से चले जाओ। (मत्ती 7:21—23)

और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओः मैं जगत के अन्त तक सदैव तुम्हारे संग हूं। (मत्ती 28:20)

25

दुष्टात्माओं को निकाल भगाओ

फिर उस ने अपने बारह चेलों को पास बुलाकर, उन्हें अशुद्ध आत्माओं पर अधिकार दिया, कि उन्हें निकालें और सब प्रकार की बीमारियों और सब प्रकार की दुर्बलताओं को दूर करें। (मत्ती 10:1)

देखो, मैंने तुम्हें सांपों और बिच्छुओं को रौंदने का, और शत्रु की सारी सामर्थ पर अधिकार दिया है; और किसी वस्तु से तुम्हें कुछ हानि न होगी। (लूका 10:19)

और उन्होंने जाकर प्रचार किया, कि मन फिराओ। और बहुतेरे दुष्टात्माओं को निकाला, और बहुत बीमारों पर तेल मलकर उन्हें चंगा किया। (मरकूस 6:12—13)

क्योंकि परमेश्वर ने हमें भय की नहीं पर सामर्थ, और प्रेम, और संयम की आत्मा दी है। (2 तिमुथि. 1:7)

26

परमेश्वर के सच्चे अनुग्रह में स्थापित हो जाओ

उस समय से यीशु प्रचार करना और यह कहना आरम्भ किया, कि मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आया है। (मत्ती 4:17)

सो हे मेरे प्यारो, जिस प्रकार तुम सदा से आज्ञा मानते आए हो, वैसे ही अब भी न केवल मेरे साथ रहते हुए पर विशेष करके अब मेरे दूर रहने पर भी डरते और कांपते हुए अपने अपने उद्धार का कार्य पूरा करते जाओ। क्योंकि परमेश्वर ही है, जिस ने अपनी सुइच्छा निमित्त तुम्हारे मन में इच्छा और काम, दोनों बातों के करने का प्रभाव डाला है। (फिलिप्पियों. 2:12–13)

27

झूठे अगुवों से बच कर रहो

मैं जानता हूं, कि मेरे जाने के बाद फाड़नेवाले भेड़िए तुम में आएंगे, जो झुंड को न छोड़ेंगे। तुम्हारे ही बीच में से भी ऐसे ऐसे मनुष्य उठेंगे, जो चेलों को अपने पीछे खींच लेने को टेढ़ी मेढ़ी बातें कहेंगे। इसलिये जागते रहो; और स्मरण करो; कि मैं ने तीन वर्ष तक रात दिन आंसू बहा बहाकर, हर एक को चितौनी देना न छोड़ा। (प्रेरित. 20:29–31)

परन्तु आत्मा स्पष्टता से कहता है, कि आनेवाले समयों में कितने लोग भरमानेवाली आत्माओं, और दुष्टात्माओं की शिक्षाओं पर मन लगाकर विश्वास से बहक जाएंगे। यह उन झूठे मुनष्यों के कपट के कारण होगा, जिन का विवेक मानों जलते हुए लोहे से दागा गया है। (1 तिमुथि. 4:1–2)

28

परमेश्वर को खुद ही जानो

यीशु ने ये बातें कहीं और अपनी आंखे आकाश की ओर उठाकर कहा, हे पिता, वह घड़ी आ पहुंची, अपने पुत्र की महिमा कर, कि पुत्र भी तेरी महिमा करे। क्योंकि तू ने उस का सब प्राणियों पर अधिकार दिया, कि जिन्हें तू ने उस को दिया है, उन सब को वह अनन्त जीवन दे। और अनन्त जीवन यह है, कि वे तुझ अद्वैत सच्चे परमेश्वर को और यीशु को, जिसे तू ने भेजा है, जाने। (यूहन्ना 17:1–3)

कि क्या आनेवाला तू ही है: या हम दूसरे की बाट जोहें? यीशु ने उत्तर दिया, कि जो कुछ तुम सुनते हो और देखते हो, वह सब जाकर यूहन्ना से कह दो। कि अन्धे देखते हैं और लंगड़ेचलते फिरते हैं; कोढ़ी शुद्ध किए जाते हैं और बहिरे सुनते हैं, मुर्दे जिलाए जाते हैं, और कंगालों को सुसमाचार सुनाया जाता है। और धन्य है वह, जो मेरे कारण ठोकर न खाए। (मत्ती 11:3–6)

यीशु ने उस से कहा, मार्ग और सच्चाई और जीवन मैं ही हूं; बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुंच सकता। यदि तुम ने मुझे जाना होता, तो मेरे पिता को भी जानते, और अब उसे जानते हो, और उसे देखा भी है। (यूहन्ना 14:6–7)

जिस के पास मेरी आज्ञा है, और वह उन्हें मानता है, वही मुझ से प्रेम रखता है, और जो मुझ से प्रेम रखता है, उस से मेरा पिता प्रेम रखेगा, और मैं उस से प्रेम रखूंगा, और अपने आप को उस पर प्रगट करूंगा। (यूहन्ना 14:21)

परन्तु तुम इसलिये प्रतीति नहीं करते, कि मेरी भेड़ों में से नहीं हो। मेरी भेड़ें मेरा शब्द सुनती हैं, और मैं उन्हें जानता हूं, और वे मेरे पीछे पीछे चलती है।(यूहन्ना 10:26–27)

29

पवित्र जीवन जीओ, क्योंकि प्रभु पवित्र है

क्या तुम नहीं जानते, कि अन्यायी लोग परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे? धोखा न खाओ, न वेश्यागामी, न मूर्तिपूजक, न परस्त्रीगामी, न लुच्चे, न पुरूषगामी। न चोर, न लोभी, न पियक्कड, न गाली देनेवाले, न अन्धेर करनेवाले परमेश्वर के राज्य के वारिस होंगे। और तुम में से कितने ऐसे ही थे, परन्तु तुम प्रभु यीशु मसीह के नाम से और हमारे परमेश्वर के आत्मा से धोए गए, और पवित्र हुए और धर्मी ठहरे। (1 कुरिन्थ. 6:9—11)

अविश्वासियों के साथ असमान जूए में न जुतो, क्योंकि धार्मिकता और अधर्म का क्या मेल जोल? या ज्योति और अन्धकार की क्या संगति? और मसीह का बलियाल के साथ क्या लगाव? या विश्वासी के साथ अविश्वासी का क्या नाता? और मूरतों के साथ परमेश्वर के मन्दिर का क्या सम्बन्ध? क्योंकि हम तो जीवते परमेश्वर का मन्दिर हैं; जैसा परमेश्वर ने कहा है कि मैं उन में बसूंगा और उन में चला फिरा करूंगा; और मैं उन का परमेश्वर हूंगा, और वे मेरे लोग होंगे। इसलिये प्रभु कहता है, कि उन के बीच मे से निकलो और अलग रहो; और अशुद्ध वस्तु को मत छूओ, तो मैं तुम्हें ग्रहण करूंगा। और तुम्हारा पिता हूंगा, और तुम मेरे बेटे और बेटियां होगेः यह सर्वशक्मिान प्रभु परमेश्वर का वचन है। (2 कुरिन्थ 6:14—18)

सो हे प्यारो, जब कि ये प्रतिज्ञाएं हमें मिली हैं, तो आओ, हम अपने आप को शरीर और आत्मा की सब मलिनता शुद्ध करें, और परमेश्वर का भय रखते हुए पवित्रता को सिद्ध करें। (2 कुरिन्थ. 7:1)

30

आत्मा और सच्चाई से प्रभु की आराधना करो

कि ये लोग होठों से तो मेरा आदर करते हैं, पर उन का मन मुझ से दूर रहता है। और ये व्यर्थ मेरी उपासना करते हैं, क्योंकि मनुष्य की विधियों को धर्मोपदेश करके सिखाते हैं। (मत्ती 15:8–9)

और जब उस ने पुस्तक ले ली, तो वे चारों प्राणी और चौबीसों प्राचीन उस मेम्ने के साम्हने गिर पड़े; और हर एक हे हाथ में वीणा और धूप से भरे हुए सोने के कटोरे थे, ये तो पवित्र लोगों की प्रार्थनाएं हैं। और ये यह नया गीत गाने लगे, कि तू इस पुस्तक के लेने, और उसकी मुहरें के योग्य है; क्योंकि तू ने वध होकर अपने लोहू से हर एक कुल, और भाषा, और लोग, और जाति में से परमेश्वर के लिये लोगों को मोल लिया है। और उन्हें हमारे परमेश्वर के लिये एक राज्य और याजक बनाया; और वे पृथ्वी पर राज्य करते हैं। (प्रकाशित 5:8–10)

जिस वर्ष उज्जियाह राजा मरा, मैं ने प्रभु को बहुत ही ऊंचे सिंहासन पर विराजमान देखा; और उसके वस्त्र के घेर से मन्दिर भर गया। उस से ऊंचे पर साराप दिखाई दिए; उनके छः छः पंख थे; दो पंखों से वे अपने मुंह को ढांपे थे और दो से अपने पांवों को, और दो से उड़ रहे थे। और वे एक दूसरे से पुकार पुकारकर कह रहे थेः सेनाओं का यहोवा पवित्र, पवित्र पवित्र है; सारी पृथ्वी उसके तेज से भरपूर है। और पुकारनेवाले के शब्द से डेवढ़ियों की नेवें डोल उठीं, और भवन धूंए से भर गया। तब मैं ने कहा, हाय! हाय! मैं नाश हुआ; क्योंकि मैं अशुद्ध होंठवाला मनुष्य हूं, और अशुद्ध होंठवाले मनुष्यों के बीच में रहता हूं; क्योंकि मैं ने सेनाओं के यहोवा महाराजाधिराज को अपनी आंखों से देखा है! तब एक साराप हाथ में अंगारा लिए हुए, जिसे उस ने चिमटे से वेदी पर से उठा लिया था, मेरे पास उड़ कर आया। और उस ने उस से मेरे मुंह को छूकर कहा, देख, इस ने तेरे होंठों को छू लिया है, इसलिये तेरा अधर्म दूर हो गया और तेरे पाप क्षमा हो गए। तब मैं ने प्रभु का यह वचन सुना, मै। किस को भेंजू, और हमारी ओर से कौन जाएगा? तब मैं ने कहा, मैं यहां हूं! मुझे भेज। (यशायाह 6:1–8)

31

प्रभु से, स्वयं से तथा दूसरों से प्रेम करें

क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए। (यूहन्ना 3:16)

यीशु ने उसे उत्तर दिया, सब आज्ञाओं में से यह मुख्य है; हे इस्राएल सुन; प्रभु हमारा परमेश्वर एक ही प्रभु है। और तू प्रभु अपने परमेरश्वर से अपने सारे मन से और अपने प्राण से, और अपनी सारी बुद्धि से, और अपनी सारी शक्ति से प्रेम रखना। और दूसरी यह है, कि तू अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रखनाः इस से बड़ी और कोई आज्ञा नहीं। (मरकूस 12:29—31)

मैं तुम्हें एक नई आज्ञा देता हूं, कि एक दूसरे से प्रेम रखोः जैसा मैं ने तुम से प्रेम रखा है, वैसा ही तुम भी एक दूसरे से प्रेम रखो। यदि आपस में प्रेम रखोगे तो इसी से सब जानेंगे, कि तुम मेरे चेले हो। (यूहन्ना 13:34—35)

यदि तुम मुझ से प्रेम रखते हो, तो मेरी आज्ञाओं को मानोगे। और मैं पिता से बिनती करूंगा, और वह तुम्हें एक और सहायक देगा, कि वह सर्वदा तुम्हारे साथ रहे। अर्थात् सत्य का आत्मा, जिसे संसार ग्रहण नहीं कर सकता, क्योंकि वह न उसे देखता है और न उसे जानता हैः तुम उसे जानते हो, क्योंकि वह तुम्हारे साथ रहता है, और वह तुम में होगा। मैं तुम्हें अनाथ न छोड़ूंगा, मैं तुम्हारे पास आता हूं। (यूहन्ना 14:15—18)

इसी से प्रेम हम में सिद्ध हुआ, कि हमें न्याय के दिन हियाव हो; क्योंकि जैसा वह है, वैसे ही संसार में हम भी है। प्रेम में भय नहीं होता, बरन सिद्ध प्रेम भय को दूर कर देता है, क्योंकि भय के कष्ट होता है, और जो भय करता है, वह प्रेम में सिद्ध नहीं हुआ। हम इसलिये प्रेम करते हैं, कि पहिले उस ने हम से प्रेम किया। (1 यूहन्ना 4:17—19)

लेखक से संपर्क करने हेतु

हमारी सेवकाई तथा सामग्रियों के संबंध में अधिक जानकारी के लिए, या प्रचार करने के लिए बुलाने के लिए, हमें इस पते पर संपर्क करेः

Great Exploits International Ministries
Phone: 1.516.984.9340
Website: GreatExploits.org
Email: chesterhpaul@gmail.com

Great Exploits India
Bishop Valerian Albuquerque
Govind CHS, A/31, Joshiwadi, G. Gupta Road,
Dombivli West - 421 202
Email: a.valerian@yahoo.com
Phone: +91 9167007317

प्रार्थन विनती के लिए हमें निःसंकोच संपर्क करें।

31 बातें जो प्रत्येक विश्वासी कर सकता है

यह छोटी सी पुस्तक आपको प्रोत्साहित करेगी तथा मनुश्य की बुद्धि पर नहीं परन्तु परमेष्वर की सामर्थ पर विष्वास रखने के लिए प्रेरित करेगी। जैसे जैसे आप पढ़ते जाओगे, आपको हंसी आएगी, आप रोओगे। परमेष्वर का अभिशेक आपको सामर्थी रुप से स्पर्ष करेगा। आपका जीवन बदलने वाला है, वह अब पहले जैसा नहीं रहेगा।

इस पुस्तक से आप इन बातों को सीखोगे:

- परमेष्वर को खुद ही जानो
- प्रार्थना में बने रहो
- आषीश पाओ तथा आषीश का कारण बनो
- पवित्र जीवन जीओ
- क्षमा करो और भल जाओ
- भविश्यद्वाणी करो
- परमेष्वर की सामर्थ के साथ सेवकाई करो
- और भी बहुत कुछ

प्रचारक चेस्टर पौल, परमेष्वर की आग के संबंध में जाने जाते हैं, जो उनके जीवन तथा सेवकाई से बहती है। प्रभु ने चिन्ह, आष्चर्यकर्म तथा चमत्कारों के माध्यम से संसार भर में उनका इस्तेमाल किया है। प्रचारक चेस्टर, विष्वास में एक सच्चे पिता हैं; वे परमेष्वर को खुद से जानने की महत्वपूर्णता पर जोर देते हैं, और वे पवित्र रहने के समर्थक हैं, जिसके बिना कोई भी प्रभु को नहीं देख पाएगा। वे अपनी पत्नी और पुत्र के साथ न्यूयॉर्क में रहते हैं।

DAWNING AGE

$6.99

ISBN 978-0-9969139-0-4

50699>

9 780996 913904